संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक -20 गुरूवार ,21 नवम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश की संक्षिप्त खबरें

यूपी उपचुनाव में चुनाव आयोग का चला हंटर

7 पुलिसकर्मी सस्पेंड,मचा हड़कंप

नई दिल्ली,20 नवम्बर 2024(ए)। यूपी उपचुनाव में खूब हंगामा हुआ है। सीसामऊ, कुंदरकी जैसी सीटों पर बवाल की खबर है। सपा की शिकायत और अलग अलग माध्यमों से गड़बड़ी मिलने के बाद चुनाव आयोग ने राज्य के 7 पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड किया है। इनमें से कानपुर के सीसामऊ में 2 पुलिस अधिकारी सस्पेंड किये गये है। मुरादाबाद में 3 पुलिस अधिकारी निलंबित किये गये हैं, जबकि मुजफ्फरनगर में 2 पुलिस अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की मुलाकात

नई दिल्ली/ रायपुर,20 नवम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, अभी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और उन्हें छत्तीसगढ़ में चल रही नक्सली गतिविधियों से अवगत कराया। उनके मार्गदर्शन और डबल इंजन सरकार में हम तेजी से नक्सलवाद से लड़ रहे हैं। हमारी सरकार मार्च 2026 तक नक्सलवाद को खत्म करने की दिशा में काम कर रही है।

धारावी में अदाणी ग्रूप की रूचि भी नहीं थी

धारावी में अदाणी ग्रुप की रूचि भी नहीं थी

मुंबई,20 नवम्बर 2024(ए)। मुंबई में स्थित एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी-बस्ती धारावी के रिडेवलपमेंट प्लान को लेकर कांग्रेस, राहुल गांधी और उद्धव ठाकरे लगातार अदाणी ग्रूप को निशाना बना रहे हैं लेकिन, महाराष्ट्र में कांग्रेस और उद्धव ठाकरे गुट के साथ महाविकास अघाड़ी में शामिल शरद पवार इसे मुद्दा नहीं मानते। शरद पवार ने कहा, जब धारावी के रि-डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के लिए मीटिंग हुई थी, उस समय अदाणी ग्रूप ने इसमें दिलचस्पी नहीं ली थी। नेगोशिएशन और डिस्कसन अदाणी ग्रूप के साथ नहीं हुई थी।. शरद पवार के इस बयान के बाद बीजेपी के आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने कांग्रेस और उद्धव ठाकरे पर पलटवार किया है।

महाराष्ट्र की 288 सीटों पर 58 प्रतिशत हुआ मतदान

- बीड में निर्दलीय कैंडिडेट की मौत...
- शरद गुट के नेता की पिटाई...
- कैश कांड पर हुई बयानबाजी...

मुंबई,20 नवम्बर 2024 (ए)। महाराष्ट्र की 288 सीटों पर बुधवार को शाम 5 बजे तक 58.22 प्रतिशत मतदान हुआ। सबसे ज्यादा वोटिंग गढ़चिरौली में 69.63 प्रतिशत और सबसे कम वोट मुंबई सिटी में 49.07 प्रतिशत डाले गए। नतीजे 23 नवंबर को आएंगे।

बीड विधानसभा क्षेत्र में निर्दलीय प्रत्याशी बाला साहब शिंदे की मतदान केंद्र पर ही हार्टअटैक से मौत हो गई। धुले के एक पोलिंग बूथ पर भाजपा और वंचित बहुजन अघाड़ी के कार्यकर्ताओं में मारपीट हुई।

उधर, कांग्रेस नेता श्रीनिवास बीव्ही ने शिरडी में फर्जी मतदान होने का आरोप लगाया। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए दावा किया कि धुले की रहने वाली लड़की ने शिरडी में वोट डाला।

शुरुआत में कई जगहों पर ईव्हीएम खराब,वोटिंग में देरी

मालेगांव आउटर विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 292 पर सुबह करीब 8:30 बजे ईवीएम मशीन बंद हो गई। ईवीएम मशीन में इनवैलिड वोट दिखा रहा था। नासिक के पंचवटी इलाके में कई बूथों पर तकनीकी खराबी के चलते 20 मिनट वोटिंग रुकी रही।

मध्य नागपुर विधानसभा क्षेत्र के संत कबीर प्राइमरी स्कूल मतदान केंद्र में ईवीएम में तकनीकी खराबी आ गई। एक घंटे की देरी से मतदान प्रक्रिया शुरू हुई। उत्तर नागपुर संसदीय क्षेत्र में कस्तूरबा नगर इलाके में भी ईवीएम बंद हो गई।

भाजपा महासचिव के कैश कांड पर भी बयानबाजी

बहुजन विकास अघाड़ी के नेता हितेंद्र ठाकुर ने भाजपा महासचिव विनोद तावड़े के कैश कांड का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि विनोद तावड़े ने पूरा होटल क्यों बुक कर रखा था। अब तावड़े कह रहे हैं कि इस होटल का मालिक मैं हूं। उनकी पॉलिसी बन गई है, बिना डर के झूठ बोलना। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी तावड़े के मामले पर सवाल उठाया। इस पर विनोद तावड़े ने कहा कि राहुल गांधी पहले मेरे पास 5 करोड़ रुपए होने का सबूत दें।

बीजेपी कैंडिडेट ने निर्दलीय को दी जान से मारने की धमकी

नंदगांव विधानसभा क्षेत्र में निर्दलीय प्रत्याशी समीर भुजबल और शिंदे गुट के प्रत्याशी और विधायक सुहास कांडे आमने-सामने आ गए। इस दौरान सुहास कांडे ने समीर को धमकी दी कि आज तुम्हारी हत्या तय है। पुलिस नेफिर मामला शांत करवाया। दरअसल, समीर ने आरोप लगाया कि भाजपा प्रत्याशी सुहास कांडे ने अपने कॉलेज में गन्ना श्रमिकों को रखा था। सूचना थी कि वे पैसे बांट रहे थे।

शिरडी में फर्जी मतदान करने का आरोप

कांग्रेस नेता श्रीनिवास बीव्ही ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर फर्जी मतदान का आरोप लगाया है। श्रीनिवास ने एक लड़की का वीडियो शेयर किया और कहा कि ये लड़की रहने वाली धुले की है और मतदान शिरडी में कर रही है। शिरडी धुले से 300 किमी दूर है।

शरद पवार गुट के नेता की पिटाई

वोटिंग के दौरान एनसीपी (शरद चंद्र पवार) के प्रवक्ता नितेश कराले मास्टर की पिटाई की घटना सामने आई है। घटना वर्धा के एक बूथ पर हुई। नितेश कराले ने दावा किया है कि भाजपा नेता ने उनकी पिटाई की है। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी और डेढ़ साल की बेटी को भी पीटा गया।

परिवार के साथ वोट डाले सीएम एकनाथ शिंदे

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पूरे परिवार के साथ ठाणे में वोटिंग की। उन्होंने कहा- चुनाव में महायुति गठबंधन को बहुमत मिलेगा। लोकतंत्र का ये पर्व महाराष्ट्र को अच्छे भविष्य की ओर ले जाएगा। यह मजबूत महाराष्ट्र बनाने का मौका है। लोगों ने ढाई साल तक हमारा काम देखा है। हमने जो काम किया है, जो विकास किया है, वो लोगों ने देखा है।

भारी सुरक्षा के बीच पहुंचे शाहरुख खान,फैमिली संग किया मतदान

अंबानी-कपूर परिवार ने डाला वोट

अक्षय कुमार ने सुबह-सुबह ही वोट डाल दिया है. हेमा मालिनी, गुलजार, प्रेम चोपड़ा, ईशा देओल, कार्तिक आर्यन, सलीम खान ने भी मतदान किया. फिल्म और टीवी की दुनिया के बाकी सितारे भी वोट डाले। रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक और अध्यक्ष नीता अंबानी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतदान किया। अभिनेता शाहरुख खान और उनकी पत्नी गौरी खान, बेटी व अभिनेत्री सुहाना खान और बेटे आर्यन खान के लिए मतदान करने के बाद एक मतदान केंद्र से रवाना हुए।

टाइट सिक्योरिटी के बीच सलमान ने डाला वोट

बॉलीवुड के दंबग सलमान खान की फैमिली पहले ही वोट कर चुकी है। अब एक्टर मुंबई के माउंट मैरी स्कूल पोलिंग बूथ पर वोट डालने पहुंचे हैं। सलमान ने हाई सिक्योरिटी के बीच वोट डाला है. मालूम हो, उन्हें गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की तरफ से लगातार धमकियां मिल रही हैं. जिसकी वजह से एक्टर की सिक्योरिटी बढ़ाई गई है।

अनन्या पांडे ने फैमिली संग किया मतदान

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे फैमिली संग पोलिंग बूथ पहुंचीं। वोट देने के बाद एक्ट्रेस मां भावना पांडे और पिता चंकी पांडे संग दिखीं। तीनों ने पैप्स को वोटिंग साइन दिखाते हुए फोटो क्लिक कराई. एक्टर संजय कपूर ने भी मतदान किया।.

अंबानी फैमिली ने किया वोट

मुकेश अंबानी, अनंत अंबानी, श्लोका मेहता, आकाश अंबानी ने वोट डाला। आकाश-श्लोका मेहता ने मतदान के बाद पैप्स को फोटो पोज भी दिए. अनंत अपने पापा मुकेश अंबानी संग नजर आए।

सैफ-करीना ने भी डाले वोट

सैफ अली खान और करीना कपूर ने वोट डाला। पावर कपल व्हाइट आउटफिट में ट्विनिंग करता दिखा।. एक्ट्रेस व्हाइट कुर्ता-ब्लू जींस में नजर आईं. वहीं सैफ व्हाइट टी-शर्ट में हैंडसम लगे। करीना की बहन करिश्मा भी पोलिंग बूथ पहुंचीं।

जुनैद खान-अमृता अरोड़ा ने डाला वोट

दोपहर बाद भी महाराष्ट्र के पोलिंग बूथ पर सितारों के वोट डालने का सिलसिला जारी था। आमिर खान के बेटे जुनैद ने मतदान किया। अमृता अरोड़ा अपने पति के साथ पोलिंग बूथ के बाहर दिखीं। फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा, अतुल-अलवीरा अग्निहोत्री ने वोट डाला. अरबाज खान-रोहित शेट्टी ने भी मतदान किया. मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने वोट किया।

बिटकॉइन स्कैम पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर

वोटिंग के दौरान भाजपा नेता संबित पात्रा ने बिटकॉइन स्कैम का मुद्दा उठाया। उन्होंने सुप्रिया सुले और नाना पटोले का नाम लिया और कहा कि इस स्कैम की जांच होनी चाहिए। भाजपा ने आरोप लगाया कि सुले और पटोले ने बिटकॉइन के जरिए विदेशी धन का इस्तेमाल चुनाव को प्रभावित करने में किया। सुप्रिया और शरद पवार ने इन आरोपों को खारिज किया। शरद पवार ने कहा कि आरोप लगाने वाला पूर्व आईपीएस रवींद्र पाटिल जेल में है। भाजपा विनोद तावड़े के मामले से परेशान है और हम पर झूठे आरोप लगा रही है।

बीड में निर्दलीय प्रत्याशी की हार्ट अटैक से मौत

बीड विधानसभा क्षेत्र के निर्दलीय उम्मीदवार बालासाहेब शिंदे की मतदान केंद्र पर ही दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। वे छत्रपति शाहू विद्यालय में बने मतदान केंद्र पर ठहरे हुए थे। इसी बीच उन्हें चक्कर आ गया और वह गिर गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया।

झारखंड में 38 सीटों पर 67 फीसदी वोटिंग

- 23 नवंबर को आएगा नतीजा...झारखंड में विधानसभा की कुल 81 सीट हैं...
- बहुमत के लिए 41 विधायकों की जीत जरूरी
- आज तक अकेले किसी को नहीं मिला बहुमत

रांची,20 नवम्बर 2024 (ए)। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए दूसरे चरण का मतदान बुधवार को हुआ। 12 जिलों की 38 विधानसभा सीटों पर सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान चला।

इसके बाद एग्जिट पोल जारी किए गए। वोटों की गिनती 23 नवंबर, शनिवार को होगी। उसी दिन महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का नतीजा आएगा। अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा ने बताया कि झारखंड विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में शाम पांच बजे तक 67.59 प्रतिशत मतदान हुआ। 2024 के झारखंड विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण में आज (20 नवंबर, 2024) 38 विधानसभा सीटों पर एक करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं। झारखंड में 13 नवंबर को हुए पहले चरण के मतदान में 66.65 प्रतिशत मतदान हुआ, जो 2019 के चुनाव के मतदान से 2.75 प्रतिशत अधिक है।

एमपी बीजेपी में नए प्रदेश अध्यक्ष की कवायद

भोपाल,20 नवम्बर 2024(ए)। मध्य प्रदेश में बीजेपी को जल्द ही नया प्रदेश अध्यक्ष मिलने वाला है। उसको लेकर तैयारियां तेजी से जारी है भोपाल से लेकर दिल्ली तक नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर मंथन किया जा रहा है। कयास लगाए जा रहे हैं कि बीजेपी इस बार आधी आबादी को साधने के लिए महिलाओं के हाथों में प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंप सकती है। बीजेपी नवाचार करने में सबसे आगे है और इसी के चलते वह नए-नए प्रयोग कर विपक्षी दलों को पटखनी देती रही है। अब भाजपा महिला आरक्षण को लेकर एक और प्रयोग करने जा रही है जिसमें वह प्रदेशों की जिम्मेदारी महिलाओं के हाथ में सौप सकती है।

यूपी उपचुनाव में वोटिंग के दौरान मीरापुर में बवाल

- मिथिलेश पाल बोलीं- बुर्के में आने वालों की जांच हो
- 90 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हुई
- कांग्रेस ने नहीं उतारे प्रत्याशी,सपा को समर्थन

लखनऊ,20 नवम्बर 2024(ए)। उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए वोटिंग हुई। गाजियाबाद, करहल,खैर, कुंदरकी,मझवां,मीरापुर, फूलपुर,सीसामाऊ और कटेहरी सीट पर 90 प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हुई।वोटों की गिनती 23 नवंबर, शनिवार को होगी। उसी दिन महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव का नतीजा भी आएगा। यूपी के ये उपचुनाव भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच नाक की लड़ाई बन गए हैं।

नशे में धुत हेड कांस्टेबल ने मचाया बवाल

- सड़क पर लेटा फिर ध्यान मुद्रा में बैठा,लोगों की दी गालियां...

ग्वालियर/मुरैना,20 नवम्बर 2024(ए)। मध्य प्रदेश के मुरैना में नशेड़ी हेड कांस्टेबल ने बीच सड़क जमकर बवाल काटा। पुलिसकर्मी कभी लेटता तो कभी योग की मुद्रा में बैठ जाता। आने-जाने वालों को गालियां भी देता। 1 घंटे तक चले इस ड्रामे का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पुरानी कलेक्ट्रेट के बाहर नशे में धुत पड़ा रहा

दरअसल, मुरैना पुलिस का हेड कांस्टेबल पुरानी कलेक्ट्रेट के बाहर मेन रोड पर एक घंटे तक नशे में धुत पड़ा रहा। मदहोश पुलिसकर्मी सड़क पर पड़े-पड़े अजीब-अजीब तरह की हरकतें करता रहा। इस बीच वहां मौजूद लोग भी उसे देखने इकठ्ठा हो गए। तभी किसी ने उसकी हरकत कैमरे में कैद कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी।

हेड कॉन्स्टेबल ने किया खाकी को शर्मसार

हालांकि, हेड कॉन्स्टेबल किस थाने में पदस्थ है और उसका नाम क्या है, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। साथ ही नशे में धुत होने का कारण भी पता नहीं चल सका है। लेकिन इस तरह वर्दी पहनकर सड़क पर उत्पात मचाने वाले पुलिसकर्मी ने खाकी को शर्मसार कर दिया है।

दलित लड़की की बलात्कार के बाद हत्या

- सपा को वोट देने से किया था इनकार...
- बीजेपी ने सपा को घेरा...

मैनपुरी,20 नवम्बर 2024(ए)। यूपी के मैनपुरी में एक दलित युवती की रेप के बाद हत्या का मामला सामने आया है। युवती का शव नग्न अवस्था में मिला है. मृतका के परिजनों का आरोप है एक दिन पूर्व ही धमकी मिली थी, अगले दिन वारदात को अंजाम दे दिया गया। उन्होंने वारदात को चुनावी रंजिश में अंजाम दिए जाने का दावा किया है,लेकिन पुलिस ने इससे इनकार किया है। फिलहाल, जांच-पड़ताल जारी है. दो आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं. युवती के परिजनों का आरोप है कि चुनाव में बीजेपी को वोट डालने को लेकर सपा के लोगों ने उन्हें धमकाया था. विरोध पर अंजाम भुगतने की धमकी दी थी. बीती 19 नवंबर को दो लोग बाइक पर बेटी को बैठाकर ले गए थे. उन्हीं दोनों ने बेटी की हत्या कर शव को फेंक दिया. आज सुबह नग्न अवस्था में उसका शव थाना करहल इलाके में कंजरा नदी पुल के पास मिला है।मामले में एसपी विनोद कुमार ने कहा कि कल शाम से ही युवती लापता थी. जिनपर आरोप था उनको रात में गिरफ्तार कर लिया गया था. वोट डालने के विवाद में हत्या के जो आरोप लगाए जा रहे हैं वो सही नहीं है। लाश आज सुबह मिली है। उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है साथ ही आगे की कार्यवाही की जा रही है। दलित युवती की हत्या ऐसे वक्त हुई जब मैनपुरी की करहल सीट पर उपचुनाव के लिए वोट डाले जा रहे थे। ऐसे में बीजेपी ने इस मुद्दों को जोर-शोर से उठाना शुरू कर दिया है। मामले में यूपी बीजेपी ने 'एक्स' पर पिता का बयान जारी किया गया, जिसमें वे बेटी की हत्या को लेकर सपा पर आरोप लगाते दिख रहे हैं। बीजेपी की ओर से कहा गया कि करहल में सपाई प्रशांत यादव और उसके साथियों ने एक दलित बेटी की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी, क्योंकि उसने 'साइकिल' पर वोट देने से मना कर दिया था।

बीएमडब्ल्यू की टक्कर से वीडियो जर्नलिस्ट की मौत,जांच जारी

चेन्नई,20 नवम्बर 2024(ए)। चेन्नई में मंगलवार को देर रात एक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे एक वीडियो पत्रकार की मौत हो गई। पीड़ित की पहचान पोंडी बाजार इलाके में रहने वाले प्रदीप कुमार के रूप में हुई है जो एक लोकप्रिय तेलुगु समाचार चैनल में कैमरापर्सन के रूप में कार्यरत था। और अतिरिक्त कमाई के लिए पार्ट टाइम रैपिडो ड्राइवर के रूप में काम करता था। पुलिस ने बताया कि मदुरावॉय-तांबरम एलिवेटेड बाईपास पर हादसे की सूचना मिली थी. लोगों ने बताया कि एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार ने मृतक की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया है. । सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस टीम को जांच में पता चला कि टक्कर के बाद मोटरसाइकिल सवार लगभग 100 मीटर दूर एलिवेटेड हाईवे से नीचे गिर गया था, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बीएमडब्ल्यू कार को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

संपादकीय

दुर्दशा का तथ्य नकारना व्यर्थ

देहाती इलाकों में कर्ज के बोझ तले दबे परिवारों की संख्या में साढ़े चार प्रतिशत इजाफा हुआ है। 2016-17 के सर्वे के दौरान ऐसे परिवारों की संख्या 47.40 प्रतिशत थी, जो ताजा सर्वे के समय 52 फीसदी हो चुकी थी।एक और सरकारी संस्था की रिपोर्ट ने श्रमिक वर्ग की बढ़ती रही दुर्दशा पर रोशनी डाली है। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण बैंक (नाबार्ड) के अखिल भारतीय ग्रामीण वित्तीय समावेशन सर्वे (एनएएफआईएस) 2021-22 के दौरान पाया गया देहाती इलाकों में कर्ज के बोझ तले दबे परिवारों की संख्या में साढ़े चार प्रतिशत इजाफा हुआ है।2016-17 के सर्वे के दौरान ऐसे परिवारों की संख्या 47.40 प्रतिशत थी, जो ताजा सर्वे के समय 52 फीसदी हो चुकी थी। कहा जा सकता है कि अब ज्यादा लोग लाइफ स्टाइल बढ़ाने के लिए कर्ज ले रहे हैं। मगर आय की स्थिति पर गौर करें, तो ऐसे तर्क निराधार मालूम पड़ेंगे।ताजा सर्वे में ग्रामीण परिवारों की औसत मासिक आय 12,698 रु. सामने आई। इसमें पांच साल में डेढ़ गुना से ज्यादा बढ़ोतरी हुई। तब औसत आमदनी 8,059 रु. थी।राष्ट्रीय परिवार 4.4 व्यक्तियों का है। तो हर व्यक्ति पर आय 2,886 रु. बैठती है। यानी प्रति दिन एक व्यक्ति की खर्च क्षमता 96 रुपये होगी।यह औसत आय है, जिसमें ग्रामीण इलाकों के सबसे धनी और गरीब दोनों तबकों की आमदनी शामिल है।2013-14 में रंगराजन समिति ने भारत की गरीबी रेखा 32 रु. प्रति दिन खर्च क्षमता रखने का सुझाव दिया था। दस साल की मुद्रास्फीति से उसे एडजस्ट करें, तो ये रकम आज तकरीबन 60 रुपये बैठेगी।इस पैमाने पर पर अनुमान लगाएं, तो संभव है कि भारत में आधे से ज्यादा लोग गरीबी रेखा के नीचे आएंगे। वैसे, जिन परिवारों की औसत आय 12 हजार रुपये हो, वे लाइफ स्टाइल संबंधी चीजों की खरीद के लिए कर्ज लें, यह मानने का कोई तुक वैसे भी नहीं है। तो जाहिर है, शिक्षा, स्वास्थ्य और शादी-विवाह आदि जैसे खर्चों के लिए कर्ज लेने वाले परिवार बढ़े हैं।इसके पहले लेबर ब्यूरो की पारिश्रमिक दर सूचकांक रिपोर्ट, कृषि मंत्रालय के जारी हुए आंकड़ों, तथा पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे रिपोर्ट आदि में बताया जा चुका है कि श्रमिक वर्ग की वास्तविक आय गिरी है और औसत आय में वृद्धि गतिरुद्ध हो गई है।उपभोग और मांग गिरने की बातें सामने आ चुकी हैं। ऐसे में दुर्दशा का तथ्य नकारना व्यर्थ है।

पाकिस्तान की हिमाकत पर कोई हैरानी नहीं

समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि भगत सिंह मुसलमानों के प्रति शत्रुतापूर्ण मजहबी नेताओं से प्रभावित थे और भगत सिंह फाउंडेशन इस्लामी विचारधारा और पाकिस्तानी संस्कृति के खिलाफ काम कर रहा है, (और) इस पर प्रतिबंध लगना चाहिए। बकौल रिपोर्ट,फाउंडेशन के अधिकारी जो खुद को मुस्लिम कहते हैं, क्या वह नहीं जानते कि पाकिस्तान में किसी नास्तिक के नाम पर किसी जगह का नाम रखना अस्वीकार्य है और इस्लाम में मानव मूर्तियां प्रतिबंधित है? जो समूह भारत-पाकिस्तान संबंध और सिख-मुस्लिम सद्भावना' की संभावनाओं पर बल देते है, वह हालिया घटनाक्रम पर क्या कहेंगे? बीते दिनों पाकिस्तानी पंजाब की सरकार ने यह कहते हुए शादमान चौक का नाम शहीद भगत सिंह समर्पित करने की वर्षों पुरानी मांग को ठंडे बस्ते में डाल दिया कि भगत सिंह क्रांतिकारी नहीं, बल्कि अपराधी' और आज की परिभाषा में आतंकवादी' थे। जैसे ही यह खबर भारत पहुंची, तुरंत विभिन्न राजनीतिक दलों ने पाकिस्तान को गरियाना शुरू कर दिया। परंतु मुझे पाकिस्तान की इस हिमाकत पर कोई हैरानी नहीं हुई। क्या इस इस्लामी देश से किसी अन्य व्यवहार की उम्मीद की जा सकती है?लाहौर में जिस स्थान पर 23 मार्च 1931 को महान स्वतंत्रता सेनानियों– भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी दी गई थी, वह जगह शादमान चौक नाम से प्रसिद्ध है। इसी मामले में 8 नवंबर को लाहौर उच्च न्यायालय में सुनवाई थी। तब भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन पाकिस्तान' द्वारा अदालत में दायर एक याचिका पर लाहौर प्रशासन ने जवाब देते हुए कहा, शादमान चौक का नाम भगत सिंह के नाम पर रखने और वहां उनकी प्रतिमा लगाने की प्रस्तावित योजना को पूर्व नौसेना अधिकारी तारिक मजीद की टिप्पणी के आलोक में रद्द कर दिया गया है। मजीद मामले में गठित समिति का हिस्सा है और उन्होंने कहा था कि भगत सिंह ने एक ब्रिटिश पुलिस अधिकारी की हत्या की थी, इसलिए उन्हें दो साथियों के साथ फांसी दे दी गई थी। इसी समिति की रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि भगत सिंह मुसलमानों के प्रति शत्रुतापूर्ण मजहबी नेताओं से प्रभावित थे और भगत सिंह फाउंडेशन इस्लामी विचारधारा और पाकिस्तानी संस्कृति के खिलाफ काम कर रहा है, (और) इस पर प्रतिबंध लगना चाहिए। बकौल रिपोर्ट, फाउंडेशन के अधिकारी जो खुद को मुस्लिम कहते हैं, क्या वह नहीं जानते कि पाकिस्तान में किसी नास्तिक के नाम पर किसी जगह का नाम रखना अस्वीकार्य है और इस्लाम में मानव मूर्तियां प्रतिबंधित है? मामले में अगली सुनवाई 17 जनवरी 2025 को होगी।पाकिस्तान में भगत सिंह का रिश्ता केवल लाहौर जेल तक सीमित नहीं है। जिस अविभाजित पंजाब के लायलपुर में उनका जन्म हुआ था, वह भी अब पाकिस्तान में है। लाहौर के ही नेशनल कॉलेज में भगत सिंह के अंदर क्रांति के बीज फूटे थे और नौजवान भारत सभा' का गठन भी लाहौर में किया था। यदि इस पृष्ठभूमि में पाकिस्तान भगत सिंह को अपना नायक' मान लेता, तो ऐसा करके वह अपने वैचारिक अस्तित्व, जिसे काफिर-कुफ्र' अवधारणा से प्रेरणा मिलती है– उसे प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से नकार देता। पाकिस्तानी सत्ता-वैचारिक अधिष्ठान के लिए भगत सिंह भी एक काफिर' है।भारतीय उपमहाद्वीप में इस जहरीले चिंतन की जड़ें बहुत गहरी है। गांधीजी ने अली बंधुओं (मौलाना मुहम्मद अली जौहर और शौकत अली) के साथ मिलकर विदेशी खिलाफत आंदोलन (1919-24) का नेतृत्व किया था। परंतु मौलाना मुहम्मद अली जौहर स्वयं गांधीजी के बारे में क्या सोचते थे, यह उनके इस विचार से स्पष्ट है– गांधी का चरित्र चाहे कितना भी शुद्ध क्यों न हो, मजहब की दृष्टि से वे मुझे किसी भी चरित्रहीन मुसलमान से हीन प्रतीत होते हैं। बात यदि वर्तमान पाकिस्तान की करें, तो वह विभाजन के बाद अपने दस्तावेजों, स्कूली पाठ्यक्रमों और अपनी आधिकारिक वेबसाइटों में इस बात का उल्लेख करता आया है कि उसकी जड़ें सन् 711-12 में इस्लामी आक्रांता मुहम्मद बिन कासिम द्वारा हिंदू राजा दाहिर द्वारा शासित तत्कालीन सिंध पर किए हमले में मिलती हैं। इसमें कासिम को पहला पाकिस्तानी', तो सिंध को दक्षिण एशिया का पहला इस्लामी प्रांत' बताया गया है।जिन भारतीय क्षेत्रों को मिलाकर अगस्त 1947 में पाकिस्तान बनाया गया था, वहां हजारों वर्ष पहले वेदों की ऋचाएं सृजित हुईं थीं और बहुलतावादी सनातन संस्कृति का विकास हुआ था। इसलिए पुरातत्वविदों की खुदाई में वहां आज भी वैदिक सभ्यता के प्रतीक उभर आते हैं, जिसका इस्लाम में कोई स्थान नहीं है। परंतु पाकिस्तान अपनी छवि सुधारने के नाम पर मोहनजोदड़ो, हड़प्पा, सिंधु घाटी, आर्य सभ्यता, कौटिल्य और गांधार कला से जोडने का प्रयास करता है। इसी वर्ष 29 मई को पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा था, ÷पाकिस्तान को अपनी प्राचीन बौद्ध विरासत पर गर्व है। वास्तव में, यह करूरतम मजाक है। जिन इस्लामी आक्रांताओं– कासिम, गजनवी, गौरी, बाबर, टीपू सुल्तान आदि को पाकिस्तान अपना घोषित नायक' मानता है, जिनके नामों पर उसने अपनी मिसाइलों-युद्धपोतों का नाम रखा है– उन्होंने ही काफिर-कुफ्र' अवधारणा से प्रेरित होकर भारतीय उपमहाद्वीप में गैर-इस्लामी प्रतीकों (हिंदू-बौद्ध सहित) का विनाश किया था। इस चिंतन में आज भी कोई बदलाव नहीं आया है। जब जुलाई 2020 में खैबर पख्तूनख्वा में निर्माण कार्य के दौरान जमीन से भगवान गौतमबुद्ध की एक प्राचीन प्रतिमा मिली थी, तब स्थानीय मौलवी द्वारा इसे गैर-इस्लामी बताने पर लोगों ने मूर्ति को हथौड़े से तोड़ दिया था।पाकिस्तानी राष्ट्रगान (कौमी तराना) का मामला और भी दिलचस्प है। वर्ष 1947 में इस्लाम के नाम पर खूनी विभाजन के बाद शेष विश्व के सामने पाकिस्तान को तथाकथित सेकुलर' दिखाने के लिए मोहम्मद अली जिन्नाह ने हिंदू मूल के उर्दू शायर जगन्नाथ आजाद द्वारा लिखित एक उर्दू गीत को राष्ट्रगान बनाया था। जिन्नाह की मृत्युपर्यंत लगभग डेढ़ वर्ष तक यह पाकिस्तान का राष्ट्रगान रहा। चूंकि इसे काफिर' हिंदू ने लिखा था, इसलिए इसका पाकिस्तानी नेतृत्व से लेकर आम लोगों ने भारी विरोध किया और इसपर प्रतिबंध लगा दिया। वर्ष 1952 में हाफिज जालंधर द्वारा फारसी भाषा में लिखित गीत को कौमी-तराना बनाना मुकर्रर हुआ। यह स्थिति तब है, जब इस इस्लामी देश की आधिकारिक राष्ट्रीय भाषा उर्दू-अंग्रेजी है और यहां पंजाबी, सिंधी, पश्तो, बलूची, सराइकी इत्यादि भाषाएं बोली जाती है। फिर भी इसका राष्ट्रगान उस फारसी भाषा में है, जिसे बोलने/समझने वालों की संख्या पाकिस्तान में बेहद सीमित है।पाकिस्तान में यह हड़बड़ाहट उसके वैचारिक अधिष्ठान के कारण है, जो पिछले 77 वर्षों से अपनी पहचान भारत में जनित और विकसित सांस्कृतिक जड़ों से काटने और मध्यपूर्व-अरब देशों से जोडने का असफल प्रयास कर रहा है। इसलिए इस जड़-विहीन पाकिस्तान को उसके इस्लामी होने के बावजूद मध्यपूर्वीय देश, सम्मान या बराबर की नजर से नहीं देखते है। पाकिस्तान में एक बड़े भाग द्वारा शहीद भगत सिंह का विरोध भी अपनी मूल जड़ों को नकारने की विचारधारा से ही प्रेरित है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

-बलबीर पुंज-

अमरीका में शरण मांगने वालों में 855 फीसदी की वृद्धि

लाखों लोग छोड़ रहे हैं भारतीय नागरिकता ? एक समय था जब ब्रिगेडियर उस्मान को बंटवारे के समय पाकिस्तान का सेनाध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव दिया गया था लेकिन उन्होंने यह कहकर इनकार कर दिया था कि भारत मेरा देश है इस धरती में मेरे बुजुर्ग दफन हैं।उन्होंने पाकिस्तान का सेनाध्यक्ष बनने की बजाय भारत का ब्रिगेडियर बना रहना स्वीकार किया और अपना नौसेरा बचाने के लिये शहीद हो गये।वह तो अनिश्चितता का समय था,जान-माल का खतरा था किंतु आज तो निश्चंतता का समय है। संवैधानिक और नियामक संस्थायें देश को आजादी के प्रति सजग कर रहीं हैं ऐसे दौर में कुछ खबरें हैरान भी करतीं हैं और चिंतित भी।संसद में एक प्रश्न के उत्तर में बताया गया है कि पिछले 10 सालों में लगभग 15 लाख भारतीय नागरिकों ने देश की नागरिकता त्याग दी है ।इससे भी जो ज्यादा चिंताजनक आंकड़ा है वह यह कि अमेरिका में शरण मांगने वाले भारतीयों की संख्या में 855 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विदित हो कि अमेरिका में शरण मांगने वाले दो तरह से शरण के लिए आवेदन करते हैं एक तो वह जिन्हें एफर्मेटिव कहा जाता है और दूसरा वे जिन्हें डिफेंसिव कहा जाता है यानि सुरक्षा की दृष्टि से वे अमेरिका में शरण की गुहार लगाते हैं अमेरिका की होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट की इमीग्रेंट एनुअल फ्लो रिपोर्ट बताती है कि 2023 में अमेरिका में शरण चाहने वाले आवेदकों में 41हजार 330 भारतीय शामिल थे जो कि 2022 की तुलना में 855 फ़ीसदी ज़्यादा है और भी आश्चर्यजनक बात यह है कि इसमें से आधे आवेदक गुजरात राज्य के हैं।जहां 2014 के बाद समृद्धि का विस्फोट हुआ है। समझना जरूरी है कि उन भारतीयों ने क्योंकर सुरक्षा एसाईलम के लिये आवेदन किया है? वर्ष 2022 में शरणार्थी के रूप में आवेदन करने वाले 14 हजार 570 भारतीयों में से 9200 ने डिफेंसिव एसाईलम यानि सुरक्षा शरण का आवेदन किया है।भारत की अर्थव्यवस्था के उछालें भरने के दावे ,आम नागरिक के लिये सुरक्षा की गारंटी और बेहतर अवसरों के प्रचार के बीच भी अगर 41हजार 330 नागरिक अमरीका में शरण मांग रहे हैं और उनमें भी 50 प्रतिशत से अधिक सुरक्षा कारणों से तो यह पड़ताल का विषय होना ही चाहिए ? इन सुरक्षा शरण चाहने वाले भारतीयों को देश में क्या खतरा लग सकता है? उनमें से आधे उस राज्य से क्यों हैं जिसमें सर्वाधिक विकास के दावे किये जा रहे हैं?अमरीका में एलपीआर रिपोर्ट के अनुसार लगभग 28 लाख भारत में जन्मना नागरिक रहते हैं जो मेक्सिको में पैदा हुए अमरीकी नागरिकों के बाद सर्वाधिक संख्या है।अकेले 2022 में ही 1लाख 28 हजार 878 मेक्सीकन,65 हजार.960 भारतीय,53 हजार 413 फिलिपाईन नागरिकों को अमरीकी नागरिकता के लिये न्यूट्रिलाईज किया गया है।ऐसा माना जाता है कि सामान्यतः आर्थिक,शैक्षणिक अवसरों और राजनैतिक स्थिरता को देखते हुए सुरक्षित भविष्य की तलाश में लोग अपनी नागरिकता त्याग करने का कठिन फैसला लेते हैं।अमरीका में रहने वाले 28 लाख 31 हजार 330 भारतीयों में 42 फीसदी भारतीय , अमरीकन नागरिकता के लिये अपात्र हैं। इसके बावजूद भारतीय ब्रेन इतनी बड़ी तादाद में जोखिम क्यों उठा रहा है?मोटा-मोटी सभी देशों से आर्थिक प्रवासी अवसरों की तलाश करते हैं जिसमें आऊटफ्लो और इनफ्लो की मात्रा देश की वास्तविक परिस्थितियों का बखान कर देती है। जिन 10 वर्षों में 15 लाख भारतीयों ने नागरिकता छोडने का आवेदन किया है उसी दौरान विगत पांच सालों में मात्र 5 हजार220 विदेशियों को भारतीय नागरिकता दी गई है उनमें 4 हजार 552 यानि 87 फीसदी तो पाकिस्तानी, 8 फीसदी अफ गानिस्तानी और 2 फीसदी बंगलादेशी हैं। इसका अर्थ है कि भारतीय नागरिकता त्यागने वालों के मुकाबले भारतीय नागरिकता चाहने वालों की संख्या 1 प्रतिशत भी नहीं है।लंदन की हेनली एंड पार्टनर की एक रिपोर्ट के अनुसार लगभग 7 हजार सुपर रिच धनाढ्य भारत की नागरिकता छोड़ सकते हैं।सरकार ने राज्यसभा में बताया है कि वह इन लोगों की व्यावसायिक पृष्ठभूमि के बारे में अनभिज्ञ है।भारतीय टेक्स कानूनों,स्वास्थ्य सुविधाओं और इनवेस्टमेंट माईग्रेशन नागरिकता त्यागने की नयी बजह के रूप में सामने आ रही है। मेहुल चौकसी जैसे लोग इसी इवेस्टमेंट माईग्रेशन के नाम पर भाग खड़े हुए हैं।नागरिकता छोडने का एक कारण यह भी है कि कई देश दोहरी नागरिकता स्वीकार नहीं करते,दूसरा बड़ा कारण अन्य देशों में निर्बाध आवाजाही के लिये भारतीय पासपोर्ट पर केवल 60 देशों में बीजा फ्री या आगमन पर बीजा सुविधा उपलब्ध है जबकि अमरीकन पासपोर्ट पर 186 देशों में यह सुविधा प्राप्त है। जन्म से भारतीय विदेशी नागरिकों को भारत में ओसीआई(ओवरसीज सिटीजन आफ इंडिया के रूप में पंजीकृत किया जा सकता है) माना जाता है।

-भूपेन्द्र गुप्ता-

मंगल ग्रह पर माइक्रोबियल जीवन बर्फ के पानी में जीव विकास की संभावना

वीरेंद्र बहादुर सिंह
नोएडा उत्तरप्रदेश

आज भी वैज्ञानिकों में मंगल ग्रह का आकर्षण कम नहीं हुआ है। वैज्ञानिकों, कवियों, स्वप्नदृष्टाओं और कहानीकारों की कल्पनाओं का मंगल ग्रह, जिस लाल ग्रह के रूप में जाना जाता है, वह सदियों से प्रेरणा देता आया है। हम ने कभी मंगलवासियों के बौद्धिक विकास की बात की है तो कभी मंगल की सुनसान भूमि की धूल के तूफानों की चर्चा की है। पिछले कुछ समय से ऐसी ऐसी ऐसी अटकलें कर रहे हैं कि मंगल पर जीवन के विकास की कितनी संभावनाएं हैं? जल्दी ही प्रकाशित हुए एक शोधपत्र के अनुसार बर्फ से घिरा मंगल ग्रह माइक्रोबियल जीवन टिका सकता है, ऐसी परिस्थिति रखता है।

जब तक मंगल ग्रह पर जीवन होने का सही सबूत नहीं मिलता, तब तक शछजी के इस जल्दी के इस शोध में क्रातिकारी सूचना दी गई है कि मंगल के बर्फीले पानी के नीचे सूक्ष्म जीवाणु पल सकते हैं। इस अध्ययन के अनुसार जीवों के मंगल के बर्फ के स्तरके नीचे सूक्ष्म पिघले पानी के जलाशयो में पानी मिल सकता है। कंप्यूटर मोडलो के आधार पर वैज्ञानिकों ने दर्शाया है कि जिस तरह पृथ्वी पर कठिन परिस्थितियों में फोटो सिंथेसिस हो सकता है। जर्नल में प्रकाशित शोधपत्र के अनुसार शोधकर्ताओं में नासा की जेट प्रोपल्सन लैबोरेटरी के आदित्य खुल्लर और एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी के फिल क्रिस्टनसन का समावेश होता है।

सूक्ष्मजीवों के संकेत : हिमस्तरों के रहस्य

अभी तक मंगल ग्रह पर अति सूक्ष्म कही जाने वाले जीवसृष्टि भी वैज्ञानिक नहीं खोज सके हैं। इस वजह से वैज्ञानिकों में निराशा है। अभी जल्दी नासा को शोधकर्ताओं ने जो शोधपत्र प्रकाशित कराया है, उसमें संभावना व्यक्त की है कि मंगल की सतह के नीचे 9-10 फुट के अंतर में सूक्ष्म जीव सृष्टि का विकास हो सकता है।

पृथ्वी के ऊपर सामान्य रूप से शेवाल, फूग अंर माइक्रोस्कोपिक साइनोवैक्टेरिया जैसे तमाम सूक्ष्म जीव प्रकाश संश्लेषण से ऊर्जा प्राप्त करते हैं। शोध करने वाले आदित्य खुल्लर का कहना है कि ब्रह्मांड में कहीं भी जीवन खोजना हो तच मंगल ग्रह के बर्फीले प्रदेश तक मनुष्य सब सं पहले पहुंच सकता है और मंगल ग्रह पर पानी का बर्फ एकदम उचित जगह पर है। नासा का पसवरंस रोवर फरवरी,2021 में मंगल ग्रह के जेजेरो क्रेटर पर उतरा था। उस स्थान पर कभी सरोवर होने का निर्देश मिला था। फर्सिवरंस रोवर के काम में मुख्य रूप से प्राचीन सूक्ष्म जीवों के चिह्न खोजने और पत्थर के नमूने इकट्ठा करने का समावेश है। भविष्य में पृथ्वी पर इन नमूनों को लाने के लिए मिशन का आयोजन है, जिससे इनका अधिक से अधिक परीक्षण किया जा सके।

मंगल ग्रह के तमाम इलाकों, जैसे कि टेरा, सिरेनम आदि वैज्ञानिकों के अध्ययन के केंद्र बिंदु हैं। माना जाता है कि मंगल के इन इलाकों में सफेद, धूलवाली पट्टियां पानी की बर्फ की जमावट है। वैज्ञानिकों का मानना है खि भूतकाल में मंगल ग्रह पर हिमयुग आ गया होगा। जिससे अनुमान लगाया जाता है कि आज भी मंगल ग्रह की सतह पर काफी बर्फ जमी पड़ी है। संभावना है कि यह बर्फ धूल मिश्रित है। वैसे भी पृथ्वी पर जो क्रायोकोनाइट होल्स जैसी रचना मिली है, वैसी ही रचना मंगल पर बर्फ के नीचे होने की संभावना है। अब सवाल यह उठता है कि क्रायोकोनाइट होल्स में सूक्ष्म जीव कैसे अपना जीवन बचा सकते है?

सूर्य की किरणें और बर्फ : मंगल पर जीवन की संभावना

मंगल ग्रह का सूर्य से अंतर,वहां के बहुत पतले वातावरण के कारण मंगल पर बर्फ का अस्तित्व खोजने का प्रश्न हमेशा चर्चास्पद रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि जिस तरह सूखी बर्फ वायु में परिवर्तित हो जाती है,उसी तरह मंगल की सतह पर बर्फ के स्वरूप में रहने वाला पानी सीधे वायु में परिवर्तित हो सकता है। परंतु इस परिस्थिति में कुछ स्थानों को अल्प मात्रा में बची बर्फ के नीचे के पानी पर लागू नहीं होती। वैज्ञानिकों नं कंप्यूटर मौडल की जांच कर के निष्कर्ष निकाला है कि मंगल पर ऐसी परिस्थिति का निर्माण हो सकता है कि वहां सूक्ष्म जीव सृष्टि विकसित हो सकती है।

मंगल ग्रह की बर्फ का अध्ययन करने वाले फिल क्रिस्टेंसन समझाते हैं कि मंगल की बर्फ का घन स्तर अंदर से पिघल सकता है। सूर्य की किरणें ऊपर के स्तर से गुजर कर, नीचे के स्तर में स्थित धूल के रजकणों

का तापमान बढ़ा सकती हैं। उस समय यहां ग्रीन हाउस जैसा इफेक्ट खड़ा हो सकता है। जहां गर्मी बर्फ के अंदर सुरक्षित रहती है। जिससे मंगल के बर्फीले स्तर के नीचे पिघले पानी के जलाशय होने की संभावना हो सकती है। बर्फ के ऊपर के स्तर में सजीव सृष्टि का विकास दो तरह से लाभदायक साबित हो सकता है। एक ऊपरी सतह की बर्फ से पिघले पानी का वाष्पीकरण से रोकेगा, दूसरा मंगल के पास कोई रक्षात्मक चुंबकीय क्षेत्र नहीं है, जो सूर्य की जहरीली किरणों और कॉस्मिक रेडिएशन से बचाएं। पानी के ऊपर 8 से 9 मोटी बर्फ की परत, माइक्रोबियल जीवन को सूर्य की जहरीली किरणों और कॉस्मिक रेडिएशन से रक्षा कर सकती हैं। यह अध्ययन दर्शाता है कि मंगल पर पृथ्वी की तरह बर्फ की सतह के नीचे 3 मीटर (9 फुट) तक सूक्ष्म जीव सृष्टि का विकास हो सकता है।

बर्फ के अंदर सृष्टि

पृथ्वी पर खास कर आर्कटिक और एंटार्कटिका जैसे युगल इलाकों में बर्फ की परत के नीचे जीव अलग-अलग रूपों में जीवंत रहते हैं।इन भागों में खास प्रकार की रचना देखने को मिलती है, जिसे वैज्ञानिक क्रायोकोनाइट होल्स कहते हैं। यह रचना बर्फ और मिट्टी के धूल के रजकणों से मिल कर होती है। बर्फ की सतह पर सूर्य की किरणें पड़ कर परिवर्तित हो जाती हैं। जिससे सतह का तापमान कम रहता है। जिस बर्फ में मिट्टी या धूल के रजकण रहते हैं, वे रजकण सूर्य की किरणों को अधिक शोषित कर लेते हैं। जिसके कारण उनका तापमान सतह की बर्फ की अपेक्षा अधिक होता है। अमुक गहराई में पहुंचने के बाद वहां पानी का सूक्ष्म सरोवर हो, इस तरह की रचना हो जाती है। पृथ्वी पर इस तरह की रचना में सूक्ष्मजीव जैसे कि फूग,शेवाल और साइनोवैक्टेरिया देखने को मिले हैं। जो फोटोसिंथेसिस द्वारा ऊर्जा उत्पन्न करते हैं और अपना अस्तित्व बनाए रखते हैं। पृथ्वी के कुछ भागों में कठिन परिस्थिति होने के बावजूद जीव विकसित हैं। पृथ्वी पर क्रायोकोनाइट की बस्ती एंटार्कटिका, ग्रीनलैंड और नार्वे के स्वालबार्ड द्वीपसमूह स्केंडिनेवियन देश के उत्तरी किनारे और उत्तरी ध्रुव के बीच एक टापू की चेन है। सवाल यहां यह उठता है कि मंगल के बर्फीले मैदान में माइक्रोबियल इकोसिस्टम कैसे विकसित हो हकता है। डा.आदित्य खुल्लर कहते हैं कि मंगल ग्रह पर दो प्रकार की बर्फ है। पानी जमने से बनी बर्फ और कार्बन डायोक्साइड द्वारा बनी बर्फ, जिसे हम सूखी बर्फ कहते हैं। शोधपत्र में प्रकाशित जानकारी के अनुसार वैज्ञानिकों ने पानी की बर्फ का अध्ययन किया है, जो दर्शाता है कि मंगल ग्रह पर भूतकाल में हिमयुग होना चाहिए। उस समय बर्फ और धूल मिश्रित हिमप्रपात हुआ होना चाहिए। अब वह कम मात्रा में बची है, जिसमें धूल के कण भी मिश्रित हैं।

मंगल के रहस्यमय कोने

मंगल के प्रख्यात खोजी फिल क्रिस्टेंसन, जिन्होंने मंगल की बर्फ पर दशकों से अध्ययन किया है, वह कहते हैं कि मंगल की घन बर्फ र शिलाएं नीचे से पिघल सकती हैं। यह अध्ययन उन्होंने नासा के मार्स ओडिसी आर्बिटर और ताप विसर्जन इमेजिंग सिस्टम द्वारा किया है। उन्होंने अपने पूर्व अध्ययन में दर्शाया है कि मंगल की धूल युक्त बर्फ में तापमान बढ़ कर प्रवाही पानी हो सकता है, जो माइक्रोबियल जीवन के लिए अनुकूल परिस्थिति का निर्माण भी कर सकता है। वैज्ञानिकों की कंप्यूटर मौडलिंग द्वारा पता चला है कि 0.01 से 0.1 प्रतिशत धूल की मात्रा वाली बर्फ, ग्रह की सतह के नीचे 5 से 38 सेंटीमीटर की गहराई में सूक्ष्म जीव के जीवन को टिकाए रहने के लिए सहारा दे सकता है। माडल में मंगल ग्रह के दोनों गोलार्द्ध में 400 अक्षांस पर छोटे एलियन जीव की बस्ती 2.15 से 3.10 मीटर की गहराई तक अस्तित्व रखते हैं। इस अध्ययन के बाद शोधकर्ताओं ने मंगल के अन्य इलाकों का नक्शा बनाना शुरू किया है, जहां पिघला पानी बड़ी मात्रा में जमा हो सकता है। यह इलाके भविष्य में मानव और रोबोटिक मंगल अभियान के लिए महत्वपूर्ण स्थान बन सकते हैं।

मंगल का अध्ययन अभी पूरा नहीं हुआ है। वैज्ञानिक मंगल के आकर्षक ग्रह के रहस्य उजागर करने में लगे हैं। ये शोध विज्ञान जगत की समझ को और अधिक गहराई तक ले जाने की क्षमता रखता है। बर्फ की परत के नीचे फोटोसिंथेसिस होने की संभावना यह दर्शाती है कि जीवन अतिशय कठिन परिस्थितियों में भी टिका रह सकता है। मंगल पर जीवन के लिए संभवना के बारे में पता करें तो लगता है कि मंगल पर कलकल बहती कोई नदी नहीं है, परंतु बर्फ और धूल की परत के नीचे अदृश्य कोनों में सूक्ष्म जीव टिक सकते हैं। शोध बताते हैं कि जीवन खिन्हीं भी परिस्थितिओं में उद्भव अंर विकास कर सकता है। अगर भविष्य में मंगल ग्रह पर माइक्रोबियल जीवन मिलने की गौरवमय सिद्धि साबित होगी तो हम ब्रह्मांड को देखने और समझने का अभिगम सदंतर बदल जाएगा।

कविता
आरोहण कर

घटती-घटना
मोनिका डागा
चेन्नई तमिलनाडु

बाह्य दुनिया के छल मायावी प्रपंचों से निकल,
सुन जरा थोड़ा भीतर भी मनन करता जा,
सद्गुरु के अनुपम अतुलनीय मार्गदर्शन से,
मद्धिम-मद्धिम रोशनी प्रज्वलित करता जा ।
अपनी इच्छाओं को ज्ञान के चक्षुओं से,
अवलोकन कर पुनः कदम बढ़ाता जा,
विशाल, भव्य, दिव्य आनंद से भरी,
आंतरिक दुनिया का चिंतन स्मरण करता जा ।
जिज्ञासाओं को अनंत के गर्भ गृह से,
सत् चित् आनंद प्राप्ति की तरफ बढ़ाता जा,
जन्म लेने के मर्म को समझ अति,
विषय आसक्ति त्याग लक्ष्य को आरोहण करता जा ।
ब्रह्माण्ड की असीम अद्भुत शक्तियों के,
सिंधु से आत्म मंथन कर अमृत प्राप्त करता जा,
इंद्रियों पर संयम रखकर हौले-हौले,
चित्ति शक्ति को संयम लग्न से जगाता जा ।
अवरोध को खत्म कर राही आरोहण कर,
आत्म आनंद के ध्वज को फहराता जा,
जीवन उद्देश्य के प्रयोजन को सार्थक कर,
प्रेम संगीत को संसार में चहूंदिशि बहाता जा ।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

शीतलहर की चपेट में उत्तरी छत्तीसगढ़, अंबिकापुर का तापमान 8.6 डिग्री

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर सहित पूरे संभाग में ीन दिनों से कड़ाके की ठंड पड़ रही । मौसम विभाग के अनुसार उत्तरी त्तीसगढ़ शीतलहर की चपेट में है। हीं अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान .6 डिग्री पहुंच गया है। जो सामान्य 4.7 डिग्री कम है।

मौसम वैज्ञानी एसके मंडल के अनुसार इस वर्ष कड़ाके की ठंड पडऩे की उम्मीद है। वर्ष 2014 में 17 नवम्बर को 9.9 और 18 नवम्बर को न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्र दर्ज हुआ था। इसके बाद से नवंबर इस अवधी तक न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे नहीं गिरा था। पर इस वर्ष तापमान 18 नवंबर के बाद से तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। चार-पांच दिनों से इस अंचल में शुष्क वायु प्रवाह के कारण वायुमंडलीय नमी की कम होती मात्रा के कारण न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट हुई है। शुष्क हवाओं के कारण सरगुजा संभाग सहित पूरे उत्तर छत्तीसगढ़ शीतलहर की चपेट में है। पिछले तीन से चार दिनों से सरगुजा संभाग में कंपकंपाने वाली ठंड पड़ रही है। मंगलवार की रात का तापमान 8.6 डिग्री दर्ज किया गया है। जो सामान्य से 4.7 डिग्री कम है। वहीं अधिकतम तापमान 26.5 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम वैज्ञानी एसके मंडल ने बताया कि अभी फिलहाल कोई विक्षोभ सक्रिय नहीं दिख रहा है। इस लिए अभी कड़ाके की ठंड आने वाले दिनों में पडऩे की संभावना है। 28 नवंबर के बाद ठंड से कुछ राहत मिल सकती है।

कलेक्टर व निगम आयुक्त ने सुबह-सुबह किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 20 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

स्वच्छता सर्वेक्षण में सुधार लाने के लिए शहर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर विलास भोसकर व नगर निमग आयुक्त ने बुधवार की सुबह शहर की सफाइ व्यवस्था का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने रिंग रोड की सफाई, नाली की सफाई की जानकारी ली। मटन मार्केट में सफाई कार्य के निरीक्षण के दौरान मार्केट के पार्किंग क्षेत्र में कांक्रीट नहीं होने के कारण सफाई कार्य में समस्या को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यक सुधार कार्य करने के निर्देश दिए। सार्वजनिक शौचालय का निरीक्षण किया गया, नगर के समस्त सार्वजनिक शौचालय के नियमित सफाई रखने एवं आवश्यक मरम्मत कार्य तत्काल किए जाने के

निर्देश दिए गए। भ्रमण के दौरान एसएलआरएम सेंटर खालपारा एवं डीसी रोड का निरीक्षण किया गया। स्वच्छता दीदियों से संग्रहण कार्य के संबंध में जानकारी ली गई। दीदियों से चर्चा अनुरूप कलेक्टर द्वारा केंद्रों में रिक्शा क्रय करने एवं आवश्यक मरम्मत कार्य हेतु तत्काल प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। खालपारा स्लम बस्ती में सफाई एवं नाला सफाई कार्य का निरीक्षण किया गया। कंपनी बाजार में निरीक्षण के दौरान सफाई कार्य में सहयोग करने हेतु कंपनी बाजार एसोसिएशन के साथ बैठक कर सफाई व्यवस्था सुदृढ करने के निर्देश दिए। नगर में भ्रमण के दौरान विभिन्न स्थलों पर कचरा फेंकने वाले लोगों तथा घरों से गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग नहीं देने वाले लोगों का चिन्हांकन कर समझाइश देने एवं पालन नहीं करने पर जुर्माना की कार्रवाई प्रारंभ करने के लिए निर्देशित किया गया। सैनिटरी पार्क के निरीक्षण कर सेग्रीगेशन शेड एवं प्लास्टिक ग्रेनुअल प्लांट शेड का निर्माण तीव्र गति से पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किए गए, साथ ही निर्माणाधीन निगम कार्यालय भवन, सब्जी मंडी सुभाषनगर, प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्माणाधीन एएचपी प्रोजेक्ट का भी निरीक्षण कर समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान निकाय के अभियंता, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

ठेकेदार के कार्यालय में जीएसटी का जांच टीम पहुंचा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 20 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शहर में जीएसटी टीम का छापा गातार जारी है। दूसरे दिन बुधवार को शहर के भट्ठी रोड निवासी ठेकेदार ऋषिकांत सिंह के कार्यालय में टीम ने छापा मारा है। जानकारी के अनुसार वे माइनिंग के बड़े ठेकेदार हैं। बलरामपुर जिले के कुसमी हिंडालको माइनिंग का काम चल रहा है। बुधवार को जीएसटी की सेंट्रल व राज्य की टीम ने ठेकेदार के कार्यालय अंबिकापुर में पहुंचकर जांच-पड़ताल देर रात तक करती रही।

अज्ञात वाहन की टक्कर से दुपहिया सवार एक की मौत

- संवाददाता -
कुसमी, 20 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)। कुसमी बलरामपुर जिले के कुसमी- राजपुर मुख्य मार्ग में बीती रात मोटरसाइकिल सवार दो लोगों को अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी। दुर्घटना में दुपहिया सवार एक युवक की मौके पर ही मौत ही गई। एम्बुलेंस से दुपहिया सवार गंभीर रूप से घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। मामले में कुसमी थाना पुलिस जांच कर रही है।

जानकारी अनुसार मंगलवार को देर रात कुसमी थाना क्षेत्र के कृष्णानगर में अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मार दी। दुर्घटना में एक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरे सवार को तत्काल एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां उसकी स्थिति गम्भीर बनी हुई है। मार्ग से गुजर रहे लोगों ने तत्काल इसकी सूचना कुसमी थाना में दी। घटना के बाद अज्ञात वाहन सवार मौके से फरार हो गया। मामले में कुसमी पुलिस मार्ग कायम कर जांच कर रही है।

नवीन पुलिस पब्लिक स्कूल के लिए जमीन अधिग्रहण मामले में मिला फरियाद

» आपत्ति दर्ज कराने पहुंचे कलेक्टर के जनदर्शन में पहुंचे ग्रामीण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर सरगुजा जिले के अंबिकापुर तहसील अंतर्गत ग्राम अजिरमा में प्रस्तावित नवीन पुलिस पब्लिक स्कूल के लिए अधिग्रहित भूमि पर आपत्ति दर्ज कराने काफी संख्या में महिला-पुरूष कलेक्टर सरगुजा के जनदर्शन में पहुंचे। ग्रामीणों ने आवेदन सौंपकर भूमि अधिग्रहण नहीं करने का आग्रह किया है

ग्रामीणों ने आवेदन में उल्लेख किया है कि ग्राम अजिरमा में भारत सरकार पुनर्वास विभाग छत्तीसगढ़ शासन के नाम पर शासकीय भूमि खसरा क्रमांक 324 से 341 तक इन्द्राज है। उक्त भूमि पर 20 से 40 वर्ष पूर्व से भूमिहीन गरीब परिवार

अपनी सुविधा के अनुसार मकान बनाकर सपरिवार निवास कर रहे हैं। उनके पास उक्त भूमि के अलावा ऐसा कोई विकल्प नहीं है, जहां वे परिवार के साथ बसर कर सकें। ग्रामीणों ने बताया है कि उन्हें बिना किसी प्रकार की सूचना दिए 17 नवम्बर 2024 को पुलिस वाले एक बोर्ड लेकर शाम लगभग 5 बजे पहुंचे और आंगनबाड़ी भवन के बगल में गाड़कर चले गए। कई दशक से यहां निवास कर रहे लोगों की इसके बाद चिंता बढ़ गई है।

आनन्दी एक्का, विकास सिंह, मीना सहित अन्य का कहना है कि काफी मेहनत से उन्होंने अपना आशियाना बनाया था और उसमें परिवार के साथ रहकर वे जीवकोपार्जन कर रहे हैं। अगर उक्त भूमि को नवीन पब्लिक स्कूल के लिए अधिग्रहित किया जाता है तो उन्हें अपूर्णीय क्षति होगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 20 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल बाइक सवार दो युवकों की मौत हो ई। एक को मामूली चोट आई है।

जानकारी के मुताबिक बलरामपुर जिला के कुसमी थाना अंतर्गत ग्राम हड़ा का शिव कुमार अगरिया पिता डहल राम अगरिया 25 वर्ष,मंगलवार की ात को लगभग 8 बजे मुकेश और सुमीत के साथ बाइक में ग्राम कसमार ाने के लिए निकला था। कसमार में पेट्रोल पंप के पास लापरवाही पूर्वक ाहन चलाते हुए अज्ञात वाहन का चालक इन्हें जोरदार ठोकर मार दिया, जसमें सुमीत की मौके पर ही मौत हो गई थी। शिव कुमार को गंभीर चोटें ाई थी, वहीं मुकेश सामान्य रूप से चोटिल हुआ था। स्थानीय अस्पताल से फर करने पर शिव कुमार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लाया या, यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को ोस्टर्माटम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

शौच के लिए गया युवक कुएं में गिरा,मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 20 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शौच के लिए जाने निकला युवक कुएं में गिर गया। ग्रामीणों के सहयोग से उसे कुएं से बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था, यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम बंदना निवासी द्वारिका प्रसाद पिता पोखन राम 40 वर्ष, बीते 19 नवम्बर को अपनी पत्नी सुखन्ती, पुत्र अनुपम के साथ मेहमानी में गया था। रात लगभग 9.30 बजे खाना खाने के बाद वह अपने साढ़ू के साथ शौच के लिए जा रहा था, इसी दौरान पैर फिसलने से वह कुआं में गिर गया। साढ़ू नरेन्द्र शोर मचाया, जिससे गांव के लोग मौके पर पहुंचे और द्वारिका प्रसाद को कुआं की गहराई से बाहर निकाल कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इलाज के दौरान देर रात 1.35 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

लड़ रहे मवेशी की चपेट में आने से घायल बालिका की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 20 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मवेशी की लड़ाई में छह वर्षीय बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई, उपचार के दौरान बच्ची दम तोड़ दी। जानकारी के मुताबिक झारखंड के सिमडेगा थाना अंतर्गत ग्राम खालीजोर कुसुमहोती निवासी रूपाली मिलार पिता शंकर मिलार 6 वर्ष, बीते 13 नवम्बर को मवेशी चराने के लिए घर से निकली थी। रास्त में मवेशी आपस में लडऩे लगे, जिसके चपेट में आकर बच्ची गिर गई। इस दौरान मवेशी बच्ची को कुचल दिए, जिसमें उसे गंभीर चोटें आई थी। कुछ लोगों की नजर बच्ची पर पड़ी और वे उसे मवेशियों से बचाए। घटना की जानकारी मिलने पर स्वजन मौके पर पहुंचे और घायल बच्ची को कुमडेगा में स्थित स्वास्थ्य केन्द्र ले गए थे। यहां से इलाज के बाद वे बच्ची को वापस घर लेकर आ गए थे। 14 नवम्बर को बच्ची की तबियत पुनः बिगड़ गई और वे उसे कुमडेवा लेकर पहुंचे। यहां से रेफर करने पर कुनकुरी स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे, यहां से भी इलाज के बाद गच्ची की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सक ने उसे रेफर कर दिया था। मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में उपचार के दौरान बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

गाली गलौज कर युवक पर चाकू से हमला,रिपोर्ट दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 20 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

युवक से गाली-गलौज और चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज किया है।

बलरामपुर जिला के सुरबेना, करौंधा निवासी नीलम कुमार ग्वाला ने पुलिस को बताया है कि वह वर्तमान में भट्ठी रोड गणेश दादा गली में रहकर शादी-पार्टी में काम करता है। बीते 15 नवम्बर को की रात करीब 10.30 बजे वह अपने घर के बरामदा में अपनी बहन सकुन्ती के साथ बैठकर बात कर रहा था। इसी दौरान भोलू सारथी बाहर से आवाज देकर उसे बुलाया। जब वह उसके पास गया तो वह गाली देने लगा। गाली-गलौज करने से मना करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ में रखे चाकू से हमला किया, जिसमें उसे गला में चोट आई है। इस दौरान उसकी बहन सहित अन्य लोगों ने बीच-बचाव किया। रिपोर्ट पर पुलिस अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

दूध विक्रेता की बाइक चोरी,रिपोर्ट दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 20 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शहर के चोपड़ापारा से दूध विक्रेता की बाइक अज्ञात चोर ने पार कर दी है। वह मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है।

बलरामपुर जिला के राजपुर थाना अंतर्गत ग्राम अखोराखुर्द निवासी राकेश यादव ने पुलिस को बताया है कि वह प्रतिदिन की भांति 14 नवम्बर को बाइक क्रमांक सीजी 15 डीएक्स 9838 में दूध लेकर अंबिकापुर आया था। सुबह करीब 11.40 बजे बाइक को चोपड़ापारा में खड़ी करके विशाल चोपडा के यहां दूध देने गया था। दूध देने के बाद जब वह वापस आया तो मोटरसायकल नहीं थी। आसपास तलाश के बाद भी मोटरसायकल का पता नहीं चला। पास ही स्पोर्ट्स दुकान का सीसीटीव्ही फुटेज देखने पर करीब 20-21 साल का एक लडक़ा मोटरसायकल को चोरी करके ले जाते नजर आया। रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

विधायक राजेश अग्रवाल ने स्कूल भवन का किया लोकार्पण

- संवाददाता -
लखनपुर, 20 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

लखनपुर विकासखंड के णेशपुर संकुल केंद्र के ग्राम णेशपुर में प्राथमिक शाला के तिरिक्त कक्ष भवन लो कार्यक्रम ा आयोजन किया गया था। ोकार्पण कार्यक्रम में अतिथि के प में अंबिकापुर विधायक राजेश ग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि ामिल हुए। खंड शिक्षा अधिकारी ारा पुष्प गुच्छ देकर विधायक राजेश ग्रवाल का स्वागत किया। धायक राजेश अग्रवाल ने माता रस्वती के छायाचित्र के समक्ष द्वीप पर जीवित कर पुष्पित करते हुए गणेशपुर प्राथमिक शाला के नवीन अतिरिक्त कक्ष भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया। साथ ही स्कूल में आयोजित न्योता भोज में विधायक शामिल हुए और बच्चों के साथ भोजन किया। यह भवन लगभग 24 लख रुपए की लागत से निर्माण किया गया है। लोकार्पण कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी देव कुमार गुप्ता, संकुल प्राचार्य श्रीमती सुमेधा तिवारी, संकुल समन्वयक असमत अली, प्रधान पाठक श्रीमती दमयंती भगत एवं संकुल के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

प्राइवेट कंपनी के मैनेजर को धमकी भरा पत्र लिखकर 10 लाख रुपए की मांग

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 20 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

बंद लिफाफा में धमकी भरा पत्र भेजकर त्या जेसीबी प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजर से 0 लाख रुपए की मांग की है। नहीं देने पर पूरे रिवार को जान से मार देने की धमकी दी गई । मैनेर ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में र्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट र्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

गौरव वर्मा रिंग रोड़ स्थित पॉलीटेक्निक ॉलेज के बगल में सत्या जेसीबी में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। 11 नवम्बर को वह रायपुर अपने पिता को उपचार के लिए लेकर गए थे। यहां से वापस आने के बाद वह ड्यूटी गया तो 12 नवम्बर को पोस्ट ऑफिस के माध्यम से स्पीड पोस्ट से उनके नाम एक लिफाफा आने की जानकारी मिली, जिसमें प्रेषक के स्थान पर उपेन्द्र वार्मा नामक वकील का नाम और अंबिकापुर उल्लेखित है। लिफाफा को खोलने पर उसमें एक अहस्ताक्षरित कम्प्यूटर टायपिंग किया हुआ पत्र मिला, जिसमें अश्लील गाली

का उपयोग करते हुए काली घाट के पास नया पुलिया के नीचे सफेद बोरे के ऊपर जी लिखकर 10 लाख रुपये 20 नवम्बर की रात 11 बजे के पहले तक रखने धमकी भरे लहजे में कहा गया था। यही नहीं पुलिस को सूचना देने या पैसा नहीं देने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई है। गौरव वर्मा के अनुसार पत्र को लिखने वाला व्यक्ति उसके पूरे परिवार से वाकिफ है, ऐसा प्रतीत होता है। क्योंकि पत्र में पैसा नहीं देने पर पिता, बहनोई और बहन को भी जान से मार देने का उल्लेख किया गया है। धमकी भरे पत्र में यह भी उल्लेख है कि यदि उसके द्वारा रुपए नहीं दिया गया तो 20 नवम्बर के बाद और 15 जनवरी के पहले कभी भी गंभीर घटना घट सकती है। स्पीड पोस्ट के नम्बर को ट्रेक करने पर ज्ञात हुआ कि 11 नवम्बर को मुख्य डाकघर अंबिकापुर में 1.32 बजे उक्त डाक को बुक किया गया है। गौरव वर्मा ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 308 (4) के तहत रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पाकिस्तान सेना की चौकी पर आत्मघाती हमला,17 सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद, 20 नवम्बर 2024। पाकिस्तान में बुधवार को एक बड़ा आत्मघाती हमला हुआ। आतंकवादियों ने बुधवार को दोपहर 2 बजे के उत्तर-पश्चिम में एक चौकी को निशाना बनाया। आतंकवादियों द्वारा किए गए इस आत्मघाती हमले में 17 सैनिकों की मौत हो गई है।

पाकिस्तानी सेना ने की हमले की पुष्टि

पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आतंकवादियों ने उत्तरी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में चौकी में विस्फोटकों से लदे वाहन को अंदर घुसा दिया। इसके बाद एक बड़ा धमाका हुआ। इस हमले में 17 सैनिकों की मौत हो गई है और कुछ अन्य घायल हैं।

पाकिस्तान सेना ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि इलाके में आतंकियों को खत्म करने के लिए एक अभियान चलाया जा रहा है। इससे आतंकियों में दहशत है, इसी के चलते उन्होंने इस जघन्य कृत्य को अंजाम दिया। अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

छह आतंकवादी मारे गए

पाकिस्तानी सेना के एक अधिकारी ने बताया कि इस अभियान के तहत छह आतंकवादी मारे गए हैं। हालांकि, सेना ने इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी कि हमले के पीछे कौन था, लेकिन एक इस्लामी आतंकवादी समूह हाफिज गुल बहादुर ने इसकी जिम्मेदारी ली है।

पहले भी हुए पाक सेना की चौकी पर हमले

बता दें कि इससे पहले शनिवार को पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के कलात जिले में एक सुरक्षा चौकी पर हुए घातक हमले में सुरक्षाकर्मियों समेत सात लोगों की मौत हो गई थी और 10 अन्य घायल हो गए थे।

बीएलए ने ली थी चौकी पर हमले की जिम्मेदारी

हमले के बाद प्रांत के विभिन्न हिस्सों में इंटरनेट सेवा बाधित होने की जानकारी मिली है। अलगाववादी संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण ने प्रांत के कुछ भागों में मोबाइल इंटरनेट सेवा अस्थाई रूप से निलंबित किए जाने की पुष्टि की है।

जातीय अलगाववादी विद्रोह से जूझ रहा पाकिस्तान

बता दें कि पाकिस्तान अपने बीहड़ उत्तर-पश्चिम में आतंकवादी हमलों के फिर से उभरने के साथ-साथ दक्षिण-पश्चिम में बढ़ते जातीय अलगाववादी विद्रोह से जूझ रहा है।

चीनी बेल्ट एंड रोड परियोजनाओं का केंद्र

बुधवार को पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में अलगाववादी विद्रोहियों के खिलाफ एक नए सैन्य अभियान की घोषणा की। यह प्रांत खैबर पख्तूनख्वा की सीमा से लगा हुआ है और प्रमुख चीनी बेल्ट एंड रोड परियोजनाओं का केंद्र है।

गलवान जैसी घटना दोबारा नहीं होनी चाहिए, चीनी रक्षा मंत्री को राजनाथ सिंह की दो टूक

वियनतियाने, 20 नवम्बर 2024। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को लाओ पीडीआर की राजधानी वियनतियाने में चीनी रक्षा मंत्री डोंग जुन से मुलाकात की। यह बैठक आसियान रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन के मौके पर हुई। इस बैठक में दोनों देशों के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति और हाल ही में हुई सैनिकों की वापसी प्रक्रिया की समीक्षा की गई। इस दौरान राजनाथ सिंह ने चीनी मंत्री से दो टूक कहा कि गलवान जैसी घटना नहीं होनी चाहिए। राजनाथ सिंह ने कहा कि ÷गलवान जैसी घटनाओं से बचा जाना चाहिए।÷ यह बयान जून 2020 में गलवान घाटी में हुई सैन्य झड़प की ओर संकेत करता है, जिसके बाद से दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण हो गए थे। भारत और चीन की सेनाओं ने पिछले महीने डेमचोक और डेपसांग में अंतिम दो विवादित क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी प्रक्रिया पूरी की। करीब साढ़े चार साल बाद इन क्षेत्रों में दोनों पक्षों ने नियमित गश्त फिर से शुरू की है। वास्तविक नियंत्रण रेखा के पांच प्रमुख क्षेत्रों - गलवान, पैंगोंग, गोगरा हॉट स्प्रिंग्स, डेपसांग और डेमचोक में सैन्य गतिरोध ने दोनों देशों के रिश्तों को बुरी तरह प्रभावित किया था। लंबे कूटनीतिक और सैन्य वार्ताओं के बाद, 21 अक्टूबर 2024 को दोनों पक्षों के बीच स्थिति को 2020 से पहले के स्तर पर बहाल करने का समझौता हुआ।

नेपाल की यात्रा पर पहुंचे सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी, 'नेपाल सेना के जनरल' की मानद रैंक से होंगे सम्मानित

काठमांडु, 20 नवम्बर 2024। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी बुधवार को नेपाल के आधिकारिक दौरे पर पहुंचे। इस यात्रा के दौरान उन्हें ÷नेपाली सेना के मानद जनरल÷ का सम्मान प्रदान किया जाएगा। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल 1950 में शुरू हुई एक पुरानी परंपरा को जारी रखते हुए बृहस्पतिवार को जनरल द्विवेदी को ''नेपाल सेना के जनरल'' की मानद रैंक से सम्मानित करेंगे। यह परंपरा दोनों सेनाओं के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाती है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा, ÷नेपाली सेना द्वारा मानद जनरल की उपाधि प्रदान करने की विशिष्ट परंपरा का सम्मान करते हुए भारतीय सेना प्रमुख, जनरल उपेंद्र द्विवेदी पांच दिवसीय यात्रा पर काठमांडू पहुंचे हैं।

भव्य स्वागत और उच्च स्तरीय वार्ता

त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जनरल द्विवेदी का स्वागत नेपाली सेना प्रमुख जनरल अशोक राज सिग्देल की ओर से मेजर जनरल मधुकर सिंह कार्की ने किया। अपनी यात्रा के पहले दिन, उन्होंने नेपाल में भारतीय राजदूत से मुलाकात की और भारत-नेपाल द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। अपनी यात्रा के दौरान जनरल द्विवेदी, जनरल सिग्देल के साथ विस्तृत वार्ता करेंगे और राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली तथा रक्षा मंत्री मनबीर राय से मुलाकात करेंगे।

भारत-नेपाल सैन्य परंपरा

भारत और नेपाल के बीच 1,850 किलोमीटर की सीमा पांच भारतीय राज्यों - सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड - से लगती है। दोनों देशों की सेनाओं के प्रमुखों के बीच मानद जनरल की उपाधि देने और आपसी दौरे की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। जनरल द्विवेदी के साथ उनकी पत्नी सुनीता द्विवेदी भी इस यात्रा में शामिल हैं। वे भारतीय सेना की आर्मी वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष भी हैं।

राष्ट्रपति करेंगे सम्मानित

गुरुवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल जनरल द्विवेदी को राष्ट्रपति भवन, शीतल निवास में आयोजित एक विशेष समारोह में ÷नेपाली सेना के मानद जनरल÷ की उपाधि से सम्मानित करेंगे। नेपाल सेना ने एक बयान में कहा, ÷ऐसे उच्च-स्तरीय दौरे लंबे समय से चली आ रही परंपराओं को बनाए रखने और दोनों सेनाओं के संबंधों को मजबूत करने में योगदान देते हैं।

सुधा मूर्ति ने बांधे अपने दमाद ऋषि सुनक की तारीफों के पुल

क्या बोलीं राज्यसभा सांसद?

नई दिल्ली, 20 नवम्बर 2024। प्रसिद्ध लेखिका और राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति ने ब्रिटिश के पूर्व पीएम ऋषि सुनक की जमकर तारीफ की है। दरअसल, उन्होंने दीवाली समारोह में ब्रिटिश नागरिक के रूप में भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को अपनाने के लिए दामाद ऋषि सुनक की प्रशंसा की। उन्होंने पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की परवरिश को लेकर भी उनके माता-पिता की तारीफों के पुल बांधे हैं। इस कार्यक्रम में खुद ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मुर्ति भी मौजूद थीं।

क्या बोलीं सुधा मूर्ति?

इस कार्यक्रम के दौरान प्रख्यात लेखिका सुधा मूर्ति ने कहा, मैं हमेशा मानती हूं कि जब आप विदेश में होते हैं, तो आपके माता-पिता को दो काम करने चाहिए एक तो अच्छी शिक्षा, जो आपको बदले में पंख देती है और आप कहीं भी उड़कर बस सकते हैं; दूसरा है बढ़िया संस्कृति, आपकी उत्पत्ति जो भारतीय मूल या जड़ें हैं जो आपको अपने माता-पिता के साथ भारतीय विद्या भवन में मिल सकती हैं।

आगे सुधा मूर्ति ने कहा कि मैं अपनी संबंधी और अच्छी मित्र उषा जी को बधाई देना चाहती हूं, जिन्होंने अपने बेटे पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को भारतीय संस्कृति से जुड़ने का एक बेहतरीन रास्ता दिया, फलस्वरूप वह एक गौरवान्वित ब्रिटिश नागरिक बने और उनमें अच्छे भारतीय सांस्कृतिक मूल्य स्थापित हुए।

सुधा मूर्ति ने लोगों से की ये अपील

सुधा मूर्ति ने ब्रिटिश भारतीय समुदाय के लोगों से भारतीय विद्या भवन यूके की सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की अपील की है। इस दौरान उन्होंने कहा कि सभी अभिभावकों को अपने बच्चों को भारतीय संस्कृति को समझाने के लिए यहां भेजना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि जब आप बड़े हो जाते हैं तो अपनी जड़ों में वापस लौटते हैं। भारतीय विद्या भवन उसी कमी को पूरा करता है। इसलिए आपको उन्हें जीवित रखने के लिए हर तरह से मदद करनी चाहिए।

अंतरिक्ष में 'फंसीं' सुनीता विलियम्स की पेशाब का भी इस्तेमाल कर लेता है NASAहै यूज

वॉशिंगटन,20 नवम्बर 2024। भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर जून के पहले हफ्ते में कुछ ही दिनों के लिए इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गए थे, लेकिन स्पेसक्राफ्ट में तकनीकी दिक्कत आने की वजह से दोनों वहीं फंसे रह गए। अब सुनीता और विल्मोर की वापसी अगले साल फरवरी में होगी। अंतरिक्ष में रह रहीं सुनीता इस बीच कई अहम एक्सपेरिमेंट्स कर रही हैं। अब सामने आया है कि अंतरिक्ष में सुनीता के पेशाब और पसीने का भी इस्तेमाल कर रहा है। नासा उसे रिसाइकिल करके ताजे पानी में बदल दे रहा है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, सुनीता समेत अन्य अंतरिक्ष यात्री स्पेस सेंटर पर पिज्जा, रोस्ट चिकन आदि का लुत्फ भी उठा रहे हैं। हाल ही में सुनीता विलियम्स की एक तस्वीर सामने आई थी, जिसके बाद उनके हेल्थ को लेकर टेंशन होने लगी थी। इसमें उनका वजन काफी कम नजर आ रहा था। उनके गाल भी धंसे हुए दिख रहे थे। हालांकि, बाद में वह खुद सामने आईं और स्वास्थ्य संबंधी चल रहीं बातों को अफवाह करार दिया। उन्होंने कहा कि अब वह पूरी तरह से ठीक हैं। एक नई फोटो में सुनीता पहले के मुकाबले काफी हेल्दी भी नजर आ रही हैं। संकटग्रस्त स्टारलाइनर मिशन से जुड़े एक विशेषज्ञ ने न्यूयॉर्क पोस्ट को बताया कि विलियम्स और विल्मोर कई तरह के भोजन खा रहे हैं, जिसमें रोस्ट चिकन, टूना, झींगा कॉकटेल, पिज्जा और पाउडर वाले दूध के साथ नाश्ता शामिल है। विशेषज्ञ ने जोर देकर कहा कि नासा के अंतरिक्ष यात्रियों की अच्छी तरह से देखभाल की जाती है और उनके स्वास्थ्य के बारे में कोई चिंता नहीं होनी चाहिए। एक्सपर्ट ने बताया कि कुछ भी संयोग पर नहीं छोड़ा जाता और इसमें उनका भोजन भी शामिल है। इसलिए सटीक रूप से कहें तो यह बहुत स्पष्ट होना चाहिए कि वजन में कोई भी कमी ISS की वजह से नहीं है। यहां पर्याप्त भोजन है, यहां तक कि एक विस्तारित मिशन के लिए भी।

आदिवासी करमा तिहार में लुण्ड्रा विधायक हुए शामिल प्राकृतिक खेती के लिए लोगों को किया प्रेरित

- संवाददाता -
लखनपुर,20 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड के ग्राम लोशगा में बुधवार की दोपहर आदिवासी देसी खेती संगठन (प्राकृतिक खेती) द्वारा आदिवासी करमा तिहार का आयोजन किया गया था। मुख्य अतिथि के तौर पर लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, विधायक प्रतिनिधि राकेश साहू, मंडल महामंत्री विक्रम सिंह, फादर आई जैक कुजूर, अजय बरवा प्रवीण यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा महामानव बिसरा मुंडा जी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जहां अतिथियों को शाल देकर फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया।विधायक ने करमा तिहार को लेकर उपवास रखी युवतियों और ग्राम बैगा को शाल साड़ी देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आदिवासी संस्कृति को बचाना और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना है। करमा तिहार कार्यक्रम में 40 गांव के लोगों को निमंत्रण दिया गया था।जिसमें आदिवासी समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए वहीं विभिन्न गांव से करमा दलों द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इस दौरान विधायक प्रबोध मिंज करमा दलों के साथ मांदर की थाप पर थिरकते नजर आए। आदिवासी देसी खेती संगठन(प्राकृतिक खेती) द्वारा स्टॉल में प्राकृतिक कंदमूल, टोकरी, दोना, आदिवासी जेवर ,कोदो, कुटकी धान तिलहन अन्य सामान था। विधायक ने स्टाल का निरीक्षण कर कार्यक्रम को लेकर सराहना करते हुए करमा तिहार को लेकर बधाई शुभकामनाएं दी। इस दौरान कई ग्राम सरपंचो ने शादी विवाह व कार्यक्रमों के लिए सामुदायिक भवन की मांग की गई।जिस पर मंच से ही प्रबोध मिंज ने सामुदायिक भवन बनाने की घोषणा की है। इस कार्यक्रम में सरपंच पति हरीलाल लकड़ा सरपंच शांति लकड़ा ,मीणा सोनवानी, कृष्ण नाथ, जमुना प्रसाद प्रमोद सिंह, दिनेश तिर्की प्रमिला एक्का शाहिद बड़ी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद रहे।

नाबालिग कों बहला फुसलाकार भगा ले जाकर जबरन दुष्कर्म के मामले मे आरोपी हुआ गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,20 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा नाबालिग सम्बन्धी अपराधों मे शामिल आरोपियों पर लगातार सख्ती से कार्यवाही कर धरपकड़ की जा रही हैं, इसी क्रम मे मामले का संछिप्त विवरण इस प्रकार हैं प्रार्थी दिनांक 18/11/24 कों थाना गांधीनगर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि घटना दिनांक 17/11/24 कों प्रार्थी की नाबालिग लड़की अपने घर पर थी, कि प्रार्थी अगले

» **थाना गांधीनगर पुलिस टीम द्वारा मामले मे आरोपी के विरुद्ध की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही**

» **पुलिस टीम द्वारा त्वरित कायवाही करते हुए पीड़िता कों किया गया बरामद।**

» **नाबालिग सम्बन्धी अपराधों मे सरगुजा पुलिस द्वारा की जा रही लगातार सख्त कार्यवाही।**

दिन मजदूरी करने गांधीनगर आया था शाम कों वापस घर जाकर देखा तो प्रार्थी की नाबालिग लड़की घर पर नही थी, आस पास रिश्तेदारो में पता तलाश किया गया जो खोजने से नही मिल रही हैं, प्रार्थी द्वारा शंका व्यक्ति किया गया कि प्रार्थिया की नाबालिग लड़की कों कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसला कर ले गया हैं, प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना गांधीनगर मे अपराध क्रमांक 686/24 धारा 137 (2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा नाबालिग बालिका का पता तलाश किया जा रहा था, पुलिस टीम के सतत प्रयास से नाबालिग बालिका कों बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया गया, नाबालिग बालिका कों बरामद करने पश्चात महिला अधिकारी द्वारा नाबालिग से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किया गया जो पीड़िता बताई कि आरोपी अनिल कुमार नगेसिया पीड़िता कों पसंद करने की बात बोलकर कमरे मे ले जाकर दो दिनों तक कई बार जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया गया हैं, पुलिस टीम द्वारा मामले के आरोपी कों हिरासत मे लेकर पूछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम अनिल कुमार नागेसिया उम्र 18 वर्ष 07 माह वर्ष साकिन मोतीनगर थाना कुसमी जिला बलरामपुर का होना बताया आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर नाबालिग कों बहला फुसला कर पसंद करने की बात बोलकर झांसे मे लेकर जबरन दुष्कर्म की घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे 64(2)(ड), 65(2) बी.एन.एस. एवं पोक्सो एक्ट की धारा 6 जोड़कर आरोपी कों गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जाता हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल,उप निरीक्षक रश्मि सिंह, सहायक उप निरीक्षक विपिन तिवारी, महिला आरक्षक तेजश्वरी राजवाड़े, आरक्षक केवल साहू, घश्याम देवांगन सक्रिय रहे।

C M Y K

क्या सरगुजा में महिला बाल विकास विभाग में संविदा पदों पर होने वाली भर्ती में होने वाला है बड़ा खेल ?

जिला कार्यक्रम अधिकारी के पद पर पदस्थ रहे अधिकारी सहित एक लिपिक के घर से अभ्यर्थी वरिष्ठता सूची में शामिल

जिनके घर से होता है कोई अभ्यर्थी वह नहीं होता चयन समिति में लेकिन सरगुजा में सबकुछ जायज है ?

अनुभव प्रमाण-पत्रों के आधार पर अपने अपने घर से लोगों को नौकरी देने की तैयारी,क्या पीएससी जैसा कोई नया स्कैंडल देखने को मिलेगा सरगुजा में ?

क्या महिला बाल विकास मंत्री लेंगी संज्ञान,क्या अपने ही संभाग में होने जा रही इस गड़बड़ी पर वह करेंगी कार्यवाही ?

क्या पूर्व पदस्थ कार्यक्रम अधिकारी ने रचा है पूरा खेल...अपने ही बच्चों को भर्ती करने रचा है यह खेल

परिवार के लोगों और कार्यालय सहित परिचितों को नौकरी देने की कवायद जारी

इसी तरह चयन समिति में ही सदस्य कार्यालय अधीक्षक के पुत्र का भी मामला है जो डाटा एंट्री ऑपरेटर के लिए पात्र है और जिसके अनुभव प्रमाण पत्र को भी देखा जाए तो वह एक मदरसे का है जो संदेह उत्पन्न करता है ऐसा लोगों का अभ्यर्थियों का आरोप है। वैसे तत्कालीन जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग जिला कोरिया साथ ही चयन समिति के सचिव की पुत्री केवल एक ही पद के लिए पात्र नहीं हैं वह जेंडर विशेषज्ञ के लिए भी पात्र हैं और सबसे ऊपर ही उनकी वरिष्ठता है जैसा मिशन समन्वयक पद की वरिष्ठता में उनका नाम है। वैसे अब पात्र अपात्र वाली सूची देखकर अभ्यर्थियों का कहना है कि यह बड़ी धांधली है और यह भर्ती भी छत्तीसगढ़ की पीएससी भर्ती की तर्ज वाली भर्ती है, जहां अपने ही परिवार के लोगों और कार्यालय सहित परिचितों को नौकरी देने की कवायद जारी है और जिसके लिए फर्जी डिग्री और फर्जी अनुभव का सहारा लिया जा रहा है।

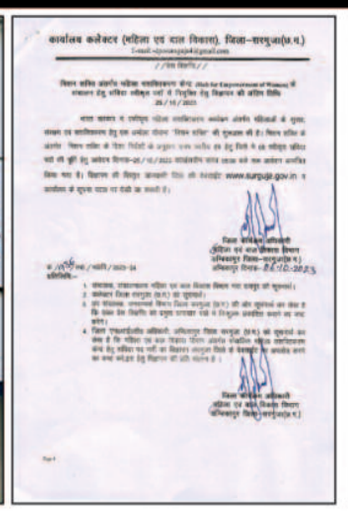

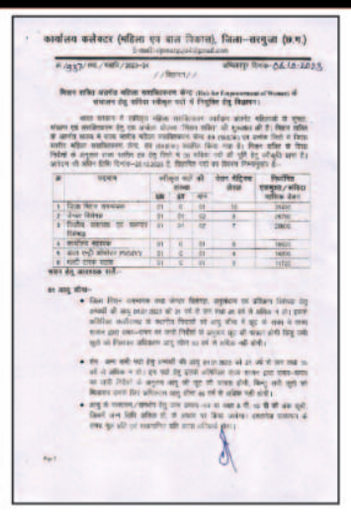

-भूपेन्द्र सिंह-
अंबिकापुर 20 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के महिला बाल विकास विभाग में ऐसा कुछ देखने-सुनने को मिल रहा है ऐसा कुछ होने जा रहा है जो यदि सही है तो यही कहा जा सकता है कि छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित पीएससी भर्ती घोटाले जैसा ही कुछ होने जा रहा है विभाग में और एक बार फिर बेरोजगार छले जाने वाले हैं ठगे जाने वाले हैं। महिला बाल विकास विभाग अंतर्गत महिलाओं की सुरक्षा,संरक्षण और सशक्तिकरण के उद्देश्य से अंब्रेला योजना अंतर्गत मिशन शक्ति की शुरुआत भारत सरकार ने की है और मिशन शक्ति अंतर्गत ही तीन पदों पर कुल आठ नियुक्तियां सरगुजा जिले में की जाने वाली थीं और जो प्रक्रिया पूर्व की ही कांग्रेस सरकार के कार्यकाल से जारी थी और जिसमें अब जाकर अभ्यर्थियों की पात्र-अपात्र सूची का प्रकाशन हुआ है जिसमें धांधली और चयन समिति द्वारा परिवारवाद चलाया जा रहा है ऐसा आरोप लग रहा है। मिशन शक्ति अंतर्गत सरगुजा जिले में मिशन समन्वयक,जेंडर विशेषज्ञ, डाटा एंट्री ऑपरेटर के तीन पदों के लिए कुल आठ पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी हुआ था,जिसमें जो पात्र-अपात्र सूची का प्रकाशन कर दावा आपत्ति आमंत्रित की गई है,उसमें यदि नजर डाली जाए तो सूची में मिशन समन्वयक के पद पर जिस अभ्यर्थी को पात्र और अधिक अंकों के साथ पात्र घोषित किया गया है वह बीएसडब्ल्यू डिग्रीधारी है वहीं वह पीजीडीसीए की भी अहर्ताधारी है और वह अनुभव भी एक संस्थान से इतनी ग्रहण कर चुकी है कि उससे अधिक किसी के पास अनुभव भी नहीं है, वहीं उसकी यदि सबसे बड़ी योग्यता इस पद हेतु शिकायत अनुसार ढूंढी जाए तो वह है उसका तत्कालीन जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग जिला सरगुजा साथ ही सचिव चयन समिति की पुत्री होना जो तब तक चयन समिति के सचिव थे जिला सरगुजा के जब तक की पात्र अपात्र सूची का प्रकाशन नहीं हो गया था या जबतक उनके हस्ताक्षर नहीं हुए थे। हस्ताक्षर करके वह तबादले की जगह जरूर कार्यभार ग्रहण करने चले गए लेकिन अपनी पुत्री के लिए वह रोजगार का जुगाड बनाकर ही निकले सरगुजा से यह बताया जा रहा है।

हमारे पास जो आता है हम उसे दे देते हैं हमने जानकारी उनसे पूछी तो उन्होंने कहा कि हमारे सारे दस्तावेज सही है अभ्यर्थी की पढ़ाई प्राइवेट में हुई है।
सुरेंद्र साहू, छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान लखनपुर

इसे जब इस संबंध में पूछा गया तो इन्होंने कहा कि अभी अंतिम प्रकाशन नहीं हुआ है दावा-आपत्ति का समय है उसे समय मै चयन समिति से हट जाता,प्रदर्शिता के साथ हुआ है।
जे आर प्रधान,तत्कालीन जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग,अंबिकापुर

फर्जी डिग्री और फर्जी अनुभव का मामला नजर आ रहा है भर्ती और पात्र-अपात्र सूची में...

पात्र-अपात्र सूची को लेकर कुछ अभ्यर्थी यह दावा कर रहे हैं कि मामला फर्जी डिग्री का और फर्जी अनुभव वाला नजर आ रहा है। एक व्यक्ति अध्ययन भी करता रहा और वह अनुभव के लिए भी कार्य करता रहा कई वर्षों तक एक संस्थान में खासकर एनजीओ में यह सही नहीं लगता व्यावहारिक रूप से। अब अनुभव और डिग्री की जांच उपरांत ही सच बाहर आएगा यह भी अभ्यर्थी मान रहे हैं लेकिन उनका यह भी कहना है की यह जांच कौन करेगा जबकि चयन समिति के ही लोगों के घर के लोगों का चयन किया जाना लक्ष्य नजर आ रहा है। जिन संस्थान से अनुभव लिया गया है वहां से ही जांच आरम्भ किया जाना चाहिए यह भी अभ्यर्थियों का कहना है।

क्या छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान लखनपुर से मिलता है फर्जी अनुभव प्रमाण-पत्र ?

सरगुजा महिला बाल विकास विभाग के संविदा पदों की भर्ती में फर्जी अनुभव प्रमाण-पत्र की भी बात सामने आ रही है जितने अभ्यर्थियों ने इसमें भाग लिया है उसमें से कई अभ्यर्थियों ने छत्तीसगढ़ साबरी सेवा संस्थान लखनपुर से अनुभव प्रमाण-पत्र लिया है ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर अनुभव प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए इस संस्थान ने कितने पैसे अभ्यर्थियों से लिए? क्योंकि बिना सही जानकारी के सभी को अनुभव प्रमाण-पत्र जारी करने का आरोप लग रहा है जो सूत्रों का दावा है,यह कैसा सयोग है कि अंबिकापुर में हो रही भर्ती में बहुत सारे अनुभव प्रमाण-पत्र इसी संस्थान के लगे हुए हैं यह कोई भ्रष्टाचार है या फिर पैसे के दम पर जिसको चाहा उसको प्रमाण-पत्र बांटा गया है।

चयन समिति के सचिव और सदस्य के पुत्री,पुत्र सभी पदों के लिए क्रमशःसबसे अधिक योग्य

पात्र-अपात्र सूची अनुसार तीन पदों के लिए जारी विज्ञापन के विरुद्ध जो अभ्यर्थी पात्र और वरिष्ठ माने गए हैं वह चयन समिति के सचिव,(तत्कालीन) की पुत्री और सदस्य के पुत्र हैं। कुल मिलाकर अपने ही बेटे बेटियों को पदों के लिए योग्य और पात्र घोषित किया गया है ऐसा आरोप लग रहा है। वैसे बताया जा रहा है कि तत्कालीन सचिव चयन समिति साथ ही जिला कार्यक्रम अधिकारी के साथ कार्यालय अधिक्षक ने मिलकर अपने बेटे बेटी की नियुक्ति का रास्ता तय कर लिया है और वह अब अंतिम चरण में है प्रक्रिया। वैसे अभी दावा-आपत्ति का समय दिया गया है लेकिन अन्य अभ्यर्थियों का कहना है कि चयन समिति में रहकर दोनों ने ऐसा जुगाड जरूर बना लिया होगा जिससे शिकायत या दावा-आपत्ति होने पर भी वह खारिज हो जाए और वह अमान्य हो जाए। वहीं अन्य अभ्यर्थियों का यह भी कहना है कि सचिव साथ ही सदस्य बनकर दोनों ने ऐसा जुगाड कर ही लिया होगा कि आगे किसी शिकायत से कोई समस्या उत्पन्न न होने पाए।

महिला बाल विकास विभाग सरगुजा के जिला परियोजना अधिकारी चयन समिति में अपनी बेटी को नौकरी दिलाने के लिए थे...

अन्य अभ्यर्थियों का कहना है की सबसे बड़ी गलती धांधली तो यह है कि जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग जिला सरगुजा जो चयन समिति के सचिव थे को अपनी पुत्री के भी अभ्यर्थी होने की स्थिति में चयन समिति से खुद को बाहर कर लेना था वहीं कार्यालय के ही अधीक्षक को भी खुद को सदस्य पद से चयन समिति के बाहर कर लेना था क्योंकि उसके भी पुत्र का नाम अभ्यर्थियों में शामिल था जो दोनो ने ही नहीं किया और अपने पुत्र पुत्रियों के लिए डटे रहे और हर वह संभव प्रयास किया जिससे उनके पुत्री-पुत्र की नौकरी निश्चित हो सके। वैसे अन्य अभ्यर्थियों का यह भी कहना है कि यह अजीब संयोग है कि तत्कालीन सचिव चयन समिति साथ ही जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग जिला सरगुजा एवम सदस्य चयन समिति साथ ही कार्यालय अधीक्षक महिला बाल विकास विभाग जिला सरगुजा के पुत्र और पुत्री की सभी अहर्ताएं साथ ही उनके अनुभव उन्ही पदों के अनुरूप साबित हुए जिन पदों के लिए भर्ती निकली है। अनुभव प्रमाण-पत्र और अहर्ताएं जांच का विषय हों यह अन्य अभ्यर्थियों का कहना है क्योंकि ऐसा बिल्कुल संभव नहीं की कोई अभ्यर्थी जो चयन समिति के सचिव सदस्य के घर से हो और सभी अहर्ता वह मात्र पूरी करता हो और यह सही हो। आहर्ता और अनुभव को पद अनुरूप तैयार कराया गया है यह आरोप अभ्यर्थी अन्य लगा रहे हैं। वैसे मामला महिला बाल विकास विभाग की मंत्री के गृह संभाग से जुड़ा हुआ है और इस मामले को पीएससी घोटाले की तरह का घोटाला माना जा रहा है ऐसे में क्या मंत्री मामले में स्वयं लेकर जांच करवाएंगी और पुनः भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष रूप से संपादित करने निर्देश जारी करेंगी यह देखने वाली बात होगी।

फर्जी अंकसूची लगाकर प्रवेश लेने वाले 20 छात्रों को जेल

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जैतहरी में लिया था प्रवेश

-बागी कलम-
अनूपपुर,20 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

जिला लोक अभियोजक पुष्पेंद्र कुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि माननीय न्यायालय पंकज जायसवाल, प्रथम अपर सत्र नयायाधीश अनूपपुर के न्यायालय ने सत्र प्र.क्र. 200007/2016 थाना जैतहरी के अपराध क्र. 70/14 धारा 420, 471 भादवि में आरोपीगण राघवेन्द्र कुमार, सुरेश सिंह राठौर, झल्लू सिंह उर्फ मनोज राठौर, रामखेलावन राठौर, उतेन्द्र सिंह राठौर, रवि सिंह राठौर, संदीप कुमार, जितेन्द्र सिंह, प्रवीण कुमार द्विवेदी, शकुन राठौर, बीना देवी कोल, अमर सिंह राठौर, प्रकाश कुमार केवट, मनोज कुमार राठौर, लीलाधर, अनिल कुमार, संतोष कुमार राठौर, मनोज कुमार पिता उदय सिंह राठौर एवं चरण सिंह राठौर को 03 -03 वर्ष का कठोर कारावास एवं 05-05 हजार रू. के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। मामले में शासन की ओर से पैरवी लोक अभियोजक पुष्पेंद्र कुमार मिश्रा द्वारा की गई। अधीक्षक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जैतहरी जिला अनूपपुर में दिनांक 17.04.2014 को पुलिस थाना जैतहरी के समक्ष इस आशय की शिकायत की थी कि वर्ष 2012-13 में प्रवेश लेने वाले छात्रों में से कुछ छात्र फर्जी अंकसूची लगाकर औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था जैतहरी में षड़यंत्र पूर्वक प्रवेश लिये हैं। उक्त शिकायत के आधार पर आरोपीगण के विरूद्ध अपराध क्र. 70/2014 अपराध धारा 420, 467, 468, 471, 120बी भादवि 1860 के तहत पंजीबद्ध कर प्रथम सूचना रिपोर्ट थाना जैतहरी द्वारा लेखबद्ध की गई तथा मामला विवेचना में लिया गया और अनुसंधान पूर्ण कर अभियोग-पत्र माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां विचारण उपरान्त माननीय न्यापयालय द्वारा अभियुक्त गण को दोषी पाते हुए उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया है।

कार्यालय अधिष्ठाता
राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

Telephone No. 07774-299312 E-mail:deanmedicalcollegesurguja@gmail.com

क्रं./13815/शा.चि.म./स्था./2024 अम्बिकापुर,दिनांक-18-11-2024

// सूचना //

छत्तीसगढ़ शासन,चिकित्सा शिक्षा विभाग,मंत्रालय,महानदी भवन,नया रायपुर,अटल नगर छ.ग. द्वारा ''माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर छ.ग. में दायर याचिका क्रं. **WP(s)849/2022-pooja sahu,WP(s)833/2022-Sushma** एवं **WP(s)960/2022-Vidhyawati Vishwakarma V/S state of CG&Other"**प्रकरण पारित आदेश दिनांक 31.07.2024 के संबंध में दिशा निर्देश प्रदाय करते हुए **''भर्ती प्रक्रिया की आगे की कार्यवाही करने और आगे की भर्ती प्रक्रिया में पात्र उम्मीद्वारों को बुलाने के निर्देश देने तथा यदि याचिकाकर्ता पात्र पाए जाते हैं, तो उचित आदेश पारित करने हेतु आदेशित किया गया है।''**

उपरोक्तानुसार माननीय उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ द्वारा पारित आदेश दिनांक 31.07.2024 एवं राज्य शासन द्वारा दिए दिशा निर्देश दिनांक 14.11.2024 के परिपालन में स्टॉफ नर्स भर्ती प्रतियोगी परीक्षा में अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी के अभ्यर्थियों द्वारा 52 एवं 51 अंक प्राप्तधारी कुल 15 अभ्यर्थियों (सूची संलग्न) के **दस्तावेज परीक्षण दिनांक 26.11.2024 दिन मंगलवार को कार्यालय अधिष्ठाता,राजमाता, श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अम्बिकापुर,सरगुजा छ.ग. के कौंसिल हॉल में प्रातः 11:30 बजे से** किया जायेगा।

अधिष्ठाता
राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय
अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

जी.नं-242503871/1

प्रतापपुर में सड़क हादसे में युवक की मौत,स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया

-संवाददाता-
प्रतापपुर 20 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

जिले के बाबा पारा निवासी 20 वर्षीय अर्जुन देवांगन पिता रामदास उफ कईला की आज दोपहर सड़क हादसे में मौत हो गई। अर्जुन अपने घर से किसी कार्य के लिए निकला था, तभी थाना क्षेत्र के पास प्रतापपुर से सूरजपुर जा रही कुंवर बस की चपेट में आ गया। स्थानीय लोगों ने उसे गंभीर हालत में देखा और तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अर्जुन के परिवार में शोक की लहर है और स्थानीय लोग इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त कर रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राहुल कुमार गुप्ता आ0 जयप्रकाश गुप्ता जाति तेली निवासी बतौली तहसील बतौली जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम फुदुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0 खसरा नंबर 40/211 रकबा 0.026 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, ले-आउट, अधिकार अभिलेख, रजिस्ट्री की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 05/12/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील **अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक चन्द्रकला कश्यप पत्नी विनोद कुमार कश्यप जाति कहार निवासी महुआपारा तहसील राजपुर जिला बलरामपुर, छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम सरगंवा तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0 खसरा नंबर 811/29 रकबा 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, सेटलमेन्ट, पंचायत प्रस्ताव, ले-आउट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 05/12/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील **अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक स्वाती केरकेट्टा पत्नी अजय केरकेट्टा जाति उरांव निवासी फुदुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम फुदुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0 खसरा नंबर 53/11 रकबा 0.020 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा,नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 06/12/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 20/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील **अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर**

न्यायालयय तहसीलदार सूरजपुर जिला सूरजपुर,छ0ग0

रा0प्र0क्र0/अ-56/2024-25
ग्राम-सूरजपुर

ईश्तहार

सर्व साधारण ग्राम सूरजपुर को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक कमलेश कोसरिया आ0 स्व0 रामानंद निवासी वार्ड क्र0-06 नगर सूरजपुर,तहसील व जिला-सूरजपुर,छ0ग0 के द्वारा ग्राम मानपुर के पटेल पद रिक्त होने के कारण उक्त रिक्त पटेल पद पर नियुक्ति बावत आवेदन पत्र के साथ खसरा,बी-1, की नकल सहित प्रस्तुत किया गया है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 05/12/2024 को समय दोपहर 1:00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकता है। तथा उक्त पद हेतु इच्छुक उम्मीदवार भी इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा व आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील **तहसीलदार सूरजपुर**

न्यायालय नायब तहसीलदार अंबिकापुर-2, जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा.प्र.क्र.202411021700052
अ-63/2024-25

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मुकेश कुमार वर्मा आ0 स्व0 पुत्तुलाल वर्मा, निवासी वसुन्धरा बिहार गोधनपुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम असोला स्थित भूमि खसरा नंबर 732/8, 732/9 रकबा क्रमशः 0.020, 0.060 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में त्रुटिवश आवेदक की जाति का स्थान रिक्त तथा वर्ग सामान्य कर किया गया है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार करते हुए राजस्व अभिलेखों में आवेदक की जति कोरी तथा वर्ग अनुसूचित जाति दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06/12/2024 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील **नायब तहसीलदार अंबिकापुर-2**

न्यायालयय तहसीलदार सूरजपुर जिला सूरजपुर,छ0ग0

रा0प्र0क्र0202403260600054/अ-27/2023-24 ग्राम-पचिरा

ईश्तहार

सर्व साधारण ग्रम पचिरा को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदिका सावित्री पुत्री स्व0 बालगोविन्द जाति हरिजन निवासी ग्राम पचिरा तहसील व जिला-सूरजपुर, छ0ग0 के द्वारा ग्राम पचिरा, प0ह0न 18 तहसील सूरजपुर स्थित संयुक्त खाते की भूमि खसरा नं 64/1, 149/1, 657/1, 836 रकबा क्रमशः 0.070, 0.016, 0.070,0.200 हे0 कुल खसरा नं0 4 प्लाट योग रकबा 0.456 हे0 भूमि के खातेदार अनावेदक रूपनारायण आ0 स्व0 बालगोविन्द एवं अन्य-03 के माध्य 1/5 भागों में काबिज काश्त एवं किस्म मूल्यांकन के आधार पर खाता विभाजन कराने हेतु छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 178 के तहत खसरा, बी-1 एवं नक्शा की नकल संहिता आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसमें अनावेदकगण के उपस्थित हेतु ईश्तहार का प्रकाशन कभी कराया जा रहा है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या हितबद्ध पक्षकार तथा किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 06/12/2024 को समय दोपहर 1:00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अधिकृत अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा व आवेदन पत्र पर कोइ विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 14/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील **तहसीलदार सूरजपुर**

पशु चिकित्सक यदि जिला पंचायत सीईओ बनेंगे तो पशुओ का इलाज कौन करेगा?

पशु चिकित्साक बनाए जा रहे हैं जनपद पंचायत के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी

मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर डिप्टी कलेक्टर रैंक के अधिकारी को मिलती है जगह...क्या इस पद पर किसी को भी मिल जाएगा कब्जा?

पशु चिकित्सक अपने मूल पद पर नही हुए वापस

क्या जानवरों के डॉक्टर कि दिलचस्पी जानवर के इलाज में नहीं... जनपद सीईओ बनने में है?

डिप्टी कलेक्टर रैंक के अधिकारी जिले में मौजूद फिर भी अन्य विभाग के अधिकारी को मिल रही है जनपद पंचायत प्रभारी मुख्य कार्यपालन का प्रभार।

आखिर कौन है डॉक्टर नृपेन्द्र सिंह जिस पर जिला प्रशासन है मेहरबान और एक नहीं दो-दो जनपद पंचायत की मिली जिम्मेदारी?

संचनालय पशु चिकित्सक सेवा छत्तीसगढ़ रायपुर सभी डॉक्टरों व कर्मचारियों को अपने मूल पद पर जाने का दिया आदेश,पर,जिसका नहीं हो रहा पालन...

पशु चिकित्सक डॉ. नृपेन्द्र सिंह दो-दो जनपद का देख रहे प्रभार,पशु विभाग के अलावा कहीं अन्य कार्य न किए जाने को लेकर आदेश हुआ था जारी।

ऐसा बाकी जिलों में भी देखा जा रहा है या फिर सूरजपुर ऐसा इकलौता जिला है?

जिन्हें जिम्मेदारी सौंप गई है वह बहुत ही ऊंची पकड़ वाले व्यक्ति हैं जो अपने अनुसार पद भी ले आते हैं और उसे पर आसीन भी हो जाते हैं। यहां तक की एक जनपद पंचायत में दो मुख्य कार्यपालन अधिकारी रखा जा रहा है, एक के पास वित्तीय पावर होगी तो दूसरे के पास अन्य का प्रभाव होगा,क्या ऐसा बाकी जिलों में भी देखा जा रहा है या फिर सूरजपुर एक ऐसा इकलौता जिला है जहां पर ऐसा देखने को मिल रहा है? यहां तक की डिप्टी कलेक्टर रैंक के अधिकारी को छोड़ पंचायत इंस्पेक्टर तक को जनपद पंचायत का प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनना क्या उचित है? या फिर नियम विरुद्ध माना जाए? वैसे जानकारों कहना है किस को भी जनपद सीईओ बनाया जा सकता है बस गस्टेड अधिकारी होना चाहिए।

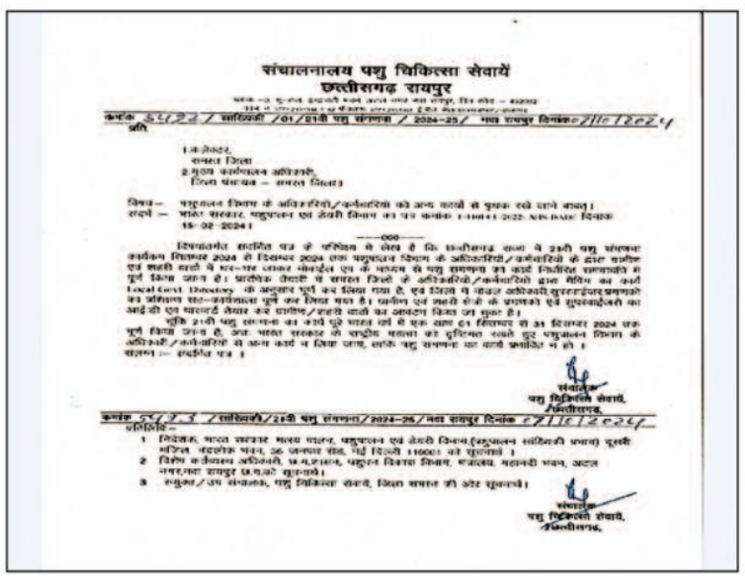

संचालनालय पशु चिकित्सा सेवायें
छत्तीसगढ़ रायपुर

-ओंकार पाण्डेय-
सूरजपुर 20 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जब पशुओं का इलाज करना ही नहीं था तो फिर डॉक्टर क्यों बने? यह सवाल इसलिए हो रही है क्योंकि पशु विभाग के डॉक्टर पशुओं के डॉक्टर तो बन गए पर पशुओं के इलाज में उनकी रुचि नहीं है, उनकी रुचि तो इस समय मलाईदार पद याने की जनपद सीईओ बनने में देखी जा रही है, बेजुबान पशुओं में कई तरीके के बीमारी रहती है जिनके इलाज के लिए पशु चिकित्सालय हर जिले में खोले गए हैं, बेजुबान जानवरों का इलाज हो सके इसके लिए डॉक्टर भी पदस्थ किए गए हैं पर सूरजपुर जिले में स्थिति यह है कि अपना मूल काम छोड़कर पशु चिकित्साक जनपद सीईओ बनने में रुचि दिखाई है। सूरजपुर प्रशासन की एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है अब इस मनमानी कहें या फिर अनियमित कहें,यह तो प्रशासन के लोग ही बता पाएंगे,जो इस रास्ते पर चल रहे हैं,इस समय हम बात कर रहे हैं सूरजपुर जिला प्रशासन के अभी जो एक बात सामने आई है उसमें पशु चिकित्सा अधिकारी को जनपद पंचायत भैयाथान व ओड़गी का प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाया गया है,जबकि इनका मूल काम पशुओं का उपचार करना है, पशुओं का उपचार हो नहीं पा रहा और इन्हें दो-दो जगह का प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनना कितना सही है? क्या सूरजपुर जिले में अतिरिक्त पशु चिकित्सा बैठे हैं जिनसे अन्य विभागों का संचालन करना जरूरी है? जहां डिप्टी कलेक्टर रैंक के कई अधिकारी जिले में मौजूद है इसके बावजूद पशु चिकित्साक को जनपद पंचायत का प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनना व उसे वित्तीय पावर देना कितना सही है?

वर्तमान में पशु चिकित्सा विभाग के कई काम प्रभावित पर डॉक्टर साहब को बनना है सीईओ?

ज्ञात हो की प्रदेश में पशु संगणना शुरू हो चुकी है,इसको लेकर पशु चिकित्सा सेवाएं संचालनालय से हाल ही में एक पत्र जारी कर पशुपालन विभाग के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को इस काम में लगाए जाने का आदेश निकाला है। इसमें कहा गया है कि,संगणना में कार्य करने वाले अधिकारी और कर्मचारियों को कोई और काम नहीं दिया जा सकता। इस आदेश के बावजूद आरोप लग रहे है की, सूरजपुर जिले के पशुपालन विभाग उपसंचालक डॉ. नृपेंद्र सिंह को पिछले 7 महीने से विभाग के काम से दूर रखा गया है। चर्चा है कि, डॉ. नृपेंद्र ने अपनी राजनैनिक पहुंच का सहारा लेकर मनपसंद जगह पर नियुक्ति (अटैचमेंट) लिया है। वर्तमान में वे अपने मूल कार्य से इतर। ओड़गी ब्लॉक के जनपद पंचायत सीईओ के रूप में कार्य कर रहे हैं। खासबात यह है कि उनके कर्तव्य स्थल से ओड़गी ब्लॉक की दूरी करीब 80 किलोमीटर है। वर्तमान में पशु चिकित्सा विभाग के कई सारे काम प्रभावित हो रहे हैं। इसके बाद भी प्रशासनिक स्तर पर उनपर विशेष मेहरबानी की जा रही है। पशु चिकित्सा संचालनालय से जारी आदेश का मखौल बन रहा है। संचालक पशु चिकित्सा सेवा के मार्फत जारी हुए आदेश में कहा गया है कि पशु संगठना कार्यक्रम 31 दिसंबर तक संपन्न करना है। इसमें पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को ग्रामीण एवं शहरी वार्डों में घर-घर जाकर के मोबाइल ऐप के जरिए पशु संगठना करनी है। इसके लिए मैपिंग कार्य जिला स्तर प्रशासन के अनुसार पूरा कर लिया गया है। ग्रामीण एवं शहरी प्रगणकों के साथ सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण प्रशिक्षण सह कार्यशाला भी हो चुकी है। ऐप के माध्यम से संगठना के लिए आईडी पासवर्ड भी दिए जा चुके हैं। ऐसे में इस कार्य से जुडने वाले अफसर और कर्मचारियों को कोई और दायित्व नहीं दिया जा सकता। बता दें कि पशु संगणना कार्य पूरे देश में एक साथ कराया जा रहा है। बताया जा रहा है कि, संचालनालय ने पशु चिकित्सकों को अन्य कार्यों में संलग्न न करने के लिए जिला कॉलेक्टरों को पत्र लिखा है। ऐसे पशुचिकित्सक जो अन्य कार्यों में संलग्न किए गए हैं, उनको मूल पद पर वापस करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। चर्चा गर्म है कि, डॉ. नृपेंद्र अपने मुख्यालय सूरजपुर में निवास न करके अंबिकापुर में रहते हैं।

पशु चिकित्सालय के कमरे में नेम प्लेट का बोर्ड लगा हुआ और दूसरी तरफ जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी की सूची में भी नाम शोभा बढ़ा रही है

साहब का इतना दबदबा है कि जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी की सूची में भी नाम दिख रहा है साथ ही पशु चिकित्सालय के उनके कक्ष भी नेम प्लेट का बोर्ड लगा हुआ है, क्या एक साथ दोनों जगह पर कार्य कर रहे है? सवाल यह उठता है, कि जहां एक व्यक्ति एक जगह पर तो काम कर नहीं पा रहा है वैसे में लंबी दूरी के साथ दो-दो जगह पर कैसे काम कर पाएगा? तमाम तरह के सवाल उठ रहे हैं वही सवाल यह भी है कि जब उनका खुद का विभाग सभी कलेक्टरों को पत्र लिखकर यह कह है की उनके कर्मचारियों से काम ना करने का आदेश जारी किया है...इसके बावजूद दूसरे विभाग में काम करना क्या आदेशों की अवहेलना नहीं है? जबकि जिले में पशु चिकित्सकों की बहुत जरूरत है क्योंकि मवेशियों में कई प्रकार की बीमारियां आ रही हैं उसे पर डॉक्टर काम नहीं कर रहे और अपना विभाग छोड़कर दूसरे विभाग में धन अर्जन करना ही क्या उनका उद्देश्य है?

ग्राम पंचायत बोझा के छात्राओं को शौचालय का शत प्रतिशत उपयोग एवं सफाई व्यवस्था बनाए रखने हेतु किया गया प्रेरित

-संवाददाता-
सूरजपुर 20 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री एस जयवर्धन के निर्देशन में एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी के मार्गदर्शन में आज ''हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान'' के तहत जनपद पंचायत प्रतापपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बोझा के मिडिल स्कूल के छात्र छात्राओं को स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अन्तर्गत शौचालय का शत प्रतिशत उपयोग करने और शौच से पहले अच्छे से साबून पानी से हाथ धोने और खाना खाने से पहले हाथ धोने का 6 तरीका भी कराया गया, साफ़ सफाई व्यवस्था बनाए रखने हेतु प्रेरित किया गया साथ में

ग्राम पंचायत कौंडीमार में एक और सीसी सड़क चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट

ग्राम पंचायतों में कब होगा निर्माण कार्यो मे भ्रष्टाचार कम,कार्यवाही करने से घबराते हैं ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के एसडीओ

-राजेन्द्र शर्मा-
खडगवा,20 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

खडगवा विकास खंड मे निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार का यह कोई पहला मामला नहीं है। खडगवा विकास खंड से लगे ग्राम पंचायत कौडीमार मे छोटे कलुआ अटल चौक मुख्य मार्ग से पंडोपारा सी सी सडक के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर कई सवाल सथानीय ग्रामीण कर रहे हैं इस सी सी सडक निर्माण कार्य में गुणवत्ता विहीन गिट्टी सीमेंट समाग्री का इसतेमाल किया गया है इस सी सी निर्माण कार्य में जिस सी सी सडक की सतह पर मुरूम डालकर रोलर से रोलिंग कर सडक पर रेत डालकर सी सी सडक निर्माण कार्य किया जाना है। मगर इस सी सी सडक निर्माण कार्य में किसी प्रकार की कोई भी मापदंडों का उपयोग किया गया है और गुणवत्ता का पालन नहीं करते हुए सी सी सडक निर्माण कार्य महज़ एक से दो दिन में पूरा कर दिया गया है इस निर्माण कार्य मे वाईब्रेटर का उपयोग नहीं किया जा रहा है जिससे लाखों रुपये की लागत कि सी सी सडक गुणवत्ता विहीन निर्माण हो रहा है।

जबकि विकास खंड मुख्यालय में महज चंद किलोमीटर की दूरी पर यह सी सी सडक का निर्माण कार्य कराया जा रहा है वहां पर जब घटिया और गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्य हो रहा है तो दूरथ ग्राम पंचायतों में कितनी गुणवत्ता युक्त निर्माण कार्य होता होगा ये सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है इस तरह के घटिया गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्यो की जाचं होनी चाहिए।

ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों एवं इंजिनियर के सह पर ही घटिया एवं गुणवत्ता विहीन कार्य हो रहे हैं अधिकारीओ को अपने कमीशन से मतलब है गुणवत्ता पर किसी के द्रारा धयान नहीं दिया जाता है जिसके कारण चाहे ठेकेदार हो या निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत हो धडल्ले से घटिया एवं गुणवत्ता विहीन कार्य को कराया जाता है।

इस संबंध जब ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अनुविभागीय अधिकारी से जानकारी चाही तो उन्होंने कहा कि निरीक्षण कर जांच किया करूंगा।

आपसी समन्वय के साथ कार्य करने से होगा विकासः चिंतामणि महाराज

-संवाददाता-
सूरजपुर,20 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज सूरजपुर जिले के लिए प्रवास पर थे। जहां उन्होंने जिले के सर्वांगिण विकास पर कलेक्ट्रेट कक्ष में कलेक्टर श्री एस जयवर्धन व अन्य जिला अधिकारी के साथ चर्चा की। बैठक में सड़क,बिजली,उचित मूल्य दुकान,शिक्षा,जल जीवन मिशन व राजस्व संबंधित प्रकरण को लेकर संबंधित विभाग प्रमुख के साथ चर्चा की गई। सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने विशेष रूप से जिले के दूरस्थ अंचल क्षेत्र चांदनी बिहारपुर में निवासरत लोगों की मूलभूत जरूरतों की पूर्ति हेतु आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने पेयजल पर विशेष फोकस करने की बात कही और जल जीवन के तहत प्रत्येक घर को स्वच्छ जल प्राप्त हो इसके लिए पीएचई के अभियंता को सतत मॉनिटरिंग के साथ युद्ध स्तर पर कार्य कराने का निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के सर्वांगीण विकास को लेकर राज्य व केंद्र के विभिन्न योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए शासन व प्रशासन को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करना होगा। उन्होंने आगे कहा जनप्रतिनिधि व अधिकारी एक दूसरे का पूरक है, मिलजुल कर कार्य करने से जिले की विकास दिशा सकारात्मक होगी। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, क्रेडा, खाद्य, वन व शिक्षा विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्रतापपुर नाई संघ ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपाः बलरामपुर में तिहरे हत्याकांड की निष्पक्ष जांच की मांग

-संवाददाता-
प्रतापपुर,20 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के कंचनपुर गांव में 1 अक्टूबर 2024 को हुए तिहरे हत्याकांड को लेकर प्रतापपुर नाई संघ ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा है। यह ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी प्रतापपुर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया

ज्ञापन में, प्रतापपुर नाई संघ ने बलरामपुर जिले में हुई इस जघन्य घटना की निष्पक्ष और त्वरित जांच की मांग की है। मृतकों में एक 5 वर्षीय अबोध बालक, एक 17 वर्षीय माइनर बच्ची और उनकी मां शामिल हैं, और तीनों मृतक सर्व नाई सेन समाज से थे। संघ ने आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, जिसके कारण यह हत्याकांड घटित हुआ।

प्रतापपुर नाई संघ ने मुख्यमंत्री से यह भी अपील की है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और मृतकों के परिवारों को जल्द से जल्द न्याय मिले। समाज के लोग इस घटना से गहरे आहत हैं और प्रशासन से त्वरित न्याय की उम्मीद कर रहे हैं।

ज्ञापन में समाज के प्रमुख सदस्य, विश्वनाथ ठाकुर, भोला ठाकुर, रामलाल ठाकुर, थानेश्वर ठाकुर,प्रेम ठाकुर,विजय ठाकुर,पिंटू ठाकुर, रामदेव ठाकुर, सियाराम ठाकुर, कृष्ण ठाकुर, और नाई समाज के लोग उपस्थित थे।

पाकिस्तान को लगा एक और बड़ा झटका

» अब ब्लाईंड टीम इंडिया का भी पाकिस्तान जाना हुआ कैंसिल...

» पाक बोर्ड ने कहा... हमें फर्क नहीं पड़ता...

नईदिल्ली,20 नवंबर 2024। चैंपियसं ट्रॉफी 2025 का अगले साल पाकिस्तान में आयोजन होना है जिसमें शिरकत करने के लिए भारतीय क्रिकेट टीम ने पाक सरजमीं पर पैर रखने से इनकार कर दिया है। भारत सरकार से अनुमति नहीं मिलने के बाद बीसीसीआई की ओर से ये बड़ा फैसला लिया गया है। ऐसे में चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन पर तलवार लटकी हुई है। इस बीच पाकिस्तान के लिए एक और झटका देने वाली खबर सामने आई रही है। दरअसल, टीम इंडिया के बाद भारतीय ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने भी पाकिस्तान जाने से मना कर दिया है। इस टीम को पाकिस्तान में होने वाले टी 20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेना था लेकिन भारत सरकार ने सुरक्षा चिंताओं के कारण टीम को पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं दी। राष्ट्रीय महासंघ ने 19 नवंबर को यह जानकारी दी।

पाकिस्तान में 23 नवंबर से तीन दिसंबर तक होने वाली इस टूर्नामेंट में शिरकत करने के लिए भारतीय टीम को बुधवार को वाघा सीमा पार करनी थी। भारतीय ब्लाइंड क्रिकेट टीम को टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए खेल मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिल गया था लेकिन विदेश मंत्रालय से मंजूरी नहीं मिल सकी।

पाकिस्तान जाने की नहीं मिली परमिशन

भारतीय ब्लाइंड क्रिकेट एसोसिएशन (आईबीसीए) के महासचिव शैलेंद्र यादव ने पीटीआई से कहा कि उन्हें अनौपचारिक रूप से बताया गया है कि ब्लाइंड क्रिकेट टीम को पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

उनकी टीम को कल वाघा सीमा पर जाना था। लेकिन अभी तक मंत्रालय के अधिकारियों से कोई मंजूरी नहीं मिली है। इसलिए वह थोड़े निराश हैं।यादव ने कहा कि अगर उन्हें समय पर जानकारी दी जाती तो वे चयन ट्रायल के जरिए टीम चुनने की प्रक्रिया से बच जाते। यादव ने कहा कि वे कह रहे हैं कि जब मुख्यधारा की क्रिकेट टीम सुरक्षित नहीं है तो आप वहां कैसे सुरक्षित रह सकते हैं। बेशक वह फैसले को स्वीकार करेंगे लेकिन अंतिम क्षण तक फैसले को क्यों रोके रखा गया। उन्हें एक महीने या 25 दिन पहले क्यों नहीं बताया गया। एक प्रक्रिया है। पाकिस्तान ब्लाइंड क्रिकेट काउंसिल ने पिछले सप्ताह ही साफ कर दिया था कि भारत वर्ल्ड कप के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजे या नहीं लेकिन यह प्रतियोगिता तय समय पर ही होगी। इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

खेल की संक्षिप्त खबरें

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलते दिखेंगे हार्दिक पांड्या

नईदिल्ली,20 नवंबर 2024। स्टार आलराउंडर हार्दिक पंड्या अपने भाई क्रुणाल पांड्या की अगुवाई में सैयद मुश्ताक़ अली ट्रॉफ़ी में बड़ौदा के लिए खेलते नज़र आएंगे, जो कि 23 नवंबर से शुरू हो रहा है। बड़ौदा की टीम फ़िलहाल शानदार फ़ॉर्म में है और रणजी ट्रॉफ़ी के पहले चरण में 27 अंकों के साथ वे अपने ग्रूप में शीर्ष पर हैं। सैयद मुश्ताक़ अली ट्रॉफ़ी में बड़ौदा का पहला मैच 23 नवंबर को गुजरात के ख़िलाफ़ है।

पर्थ टेस्ट में जडेजा या सुंदर नहीं आर अश्विन को मिल सकता है मौका

पर्थ,20 नवंबर 2024। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024 का आगाज होने में अब महज 2 दिन बचे हैं। लेकिन उससे पहले ही टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन को लेकर कई सवाल हैं। रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में पर्थ टेस्ट मैच में कमान जसप्रीत बुमराह के कंधों पर होगी। मौजूदा समय में टीम के पास तीन विकल्प हैं, जिनमें एक आर अश्विन, दूसरे रविंद्र जडेजा और तीसरे वॉशिंगटन सुंदर हैं। हालांकि, पहले टेस्ट मैच में आर अश्विन को मौका मिल सकता है। ऐसा क्यों हो सकता है?

दरअसल, जडेजा और सुंदर गेंदबाजी के साथ-साथ बल्लेबाज के रूप में भी जिम्मेदारी संभाल सकते हैं। लेकिन आर

अश्विन ऑस्ट्रेलिया की पेस की मददगार पिचों पर अच्छी स्पिन गेंदबाजी करके देंगे। उनको बेहतरीन अनुभव है और थोड़ी बहुत बल्लेबाजी भी वे कर लेते हैं। इसके अलावा प्रमुख कारण उनको मौका मिलने का ये है कि ऑस्ट्रेलिया की टीम में बाएं हाथ के तीन बल्लेबाज हैं, जबकि दो लेफ्टी टेलएंडर्स भी हैं। कंगारू टीम में ओपनर उस्मान ख्वाजा, ट्रेविस हेड और एलेक्स कैरी बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं, जो भारत के लिए मुश्किल पैदा कर सकते हैं। ऐसे में इनसे निपटने के लिए अश्विन का टीम में होना बेहद जरूरी है।

वहीं अश्विन का रिकॉर्ड स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन के खिलाफ भी बेहतरीन है। इसके अलावा वे युवा बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी को भी परेशान कर सकते हैं। यही कारण है कि अश्विन को सुंदर और जडेजा से पहले मौका मिलने की उम्मीद है। वहीं अगर तेज गेदंबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह के साथ मोहम्मद सिराज नजर आएंगे। तीसरे पेसर आकाशदीप या प्रसिद्ध कृष्णा हो सकते हैं। चौथे पेसर के तौर पर नितीश रेड्डी को मौका दिया जा सकता है, जो पेस बॉलिंग के साथ बल्लेबाजी भी कर सकते हैं।

14 साल बाद लियोनेल मेस्सी की वापसी

उरूग्वे,20 नवंबर 2024। भारतीय फुटबॉल फैंस के लिए बेहद खुशखबरी है। दुनिया के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी जल्द ही भारत लौटने की तैयारी में है। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी 14 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद भारतीय सरजमीं पर खेल का जादू बिखेरेंगे। वहीं अब फुटबॉल के जादूगर पूरे 14 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद फिर से भारत लौटेंगे। ये भारतीय खेल प्रेमियों के लिए बेहद खुशी का पल है। विश्व विजेता टीम अर्जेंटीना अगले साल भारत में अपना मैच खेलने वाली है। इसकी जानकारी केरल के खेल मंत्री अब्दुरहीमान ने दी है।

राफेल नडाल ने खेला अपना आखिरी मैच

» मुकाबले के बाद भावुक हुआ दिग्गज

नईदिल्ली,20 नवंबर 2024। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने 19 नवंबर को अपना आखिरी मुकाबला खेला। इस मुकाबले में उन्हें 80वीं रैंकिंग वाले बोटिक वान डी जैडस्चुल्प ने सीधे सेटों में 6-4,6-4 से हरा दिया।इसके बाद मैच देख रहे 10,000 दर्शकों और नडाल के परिवार ने उनका खड़े होकर अभिवादन किया। ये देख नडाल की आंखों में आंसू आ गए। डेविस कप के मुकाबले में जब राष्ट्रगान हुआ, तब भी नडाल भावुक हो गए थे।पूरी खबर पर नजर डालते हैं।

इस महान टेनिस खिलाड़ी ने पिछले महीने संन्यास का ऐलान किया था। 38 साल के खिलाड़ी की गिनती दुनिया के महानतम टेनिस खिलाडिय़ों में होती है।नडाल (22) से ज्यादा ग्रैंड स्लैम सिर्फ नोवाक जोकोविच (24) ही जीत पाए हैं। नडाल को लाल बजरी का बादशाह भी कहा जाता है।नडाल ने अपने आखिरी मुकाबले के बाद सबका आभार दिया। उन्होंने मैच के बाद कहा, विश्व में मुझे इतना स्नेह प्राप्त हुआ। मैं खुद को बहुत सौभाग्यशाली महसूस करता हूं।

नडाल ने आगे कहा, मैं पूरी स्पेनिश टीम को शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। आप सभी ने मुझे डेविस कप खेलने का मौका दिया। मेरे करियर के कई भावनात्मक पल यहां मौजूद लोगों के साथ रहे हैं, हमने साथ मिलकर कई शानदार चीजें हासिल की हैं। कोई भी खिलाड़ी नहीं चाहता कि संन्यास ले, लेकिन शरीर की वजह से खेलना मुश्किल होता है। मैंने अपने शौक को अपने करियर में बदला। ये मेरे कल्पना से बहुत ज्यादा है।

लौटारो ने अर्जेंटीना के पांचवें शीर्ष स्कोरर के रूप में माराडोना की बराबरी की

ब्यूनस आयर्स,20 नवंबर 2024। पेरू के खिलाफ अपने गोल की बदौलत अर्जेंटीना के इतिहास में लौटारो मार्टिनेज ने अपना नाम दर्ज करा लिया है। उन्होंने डिएगो आर्मंडो माराडोना के राष्ट्रीय टीम के साथ 32 गोल की बराबरी कर ली है।मार्टिनेज, जिनके नाम 31 गोल थे, अर्जेंटीना के इतिहास में शीर्ष स्कोरर की रैंकिंग में माराडोना (32) की बराबरी करने से एक गोल दूर थे। इस सूची में लियोनेल मेसी (112) सबसे आगे हैं।मार्टिनेज के दूसरे हाफ में वॉली से किये गए गोल ने फीफा विश्व कप क्वालीफायर में अर्जेंटीना के लिए शीर्ष स्थान को मजबूत किया,

क्योंकि लियोनेल मेसी की टीम ने बुधवार (आईएसटी) को पेरू को 1-0 से हराया। मार्टिनेज ने कहा,प्रदर्शन, गोल और खेले गए मैचों के मामले में यह एक शानदार साल रहा। हमें खेलते रहना है और दिन-ब-दिन सुधार करना है। हर कोई हमें हराना चाहता है। अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम हमेशा नायक होती है।कुछ चीजें सुधारने की हैं, लेकिन हमें इसी राह पर चलते रहना है।27 वर्षीय स्ट्राइकर ने बुधवार को 2024 का अपना 11वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया। इसके साथ ही वह अर्जेंटीना के लिए एक कैलेंडर वर्ष में 10 गोल करने वाले केवल तीसरे व्यक्ति बन गए।

विराट कोहली अपने खेलने के तरीके को लेकर जुनूनी हैं:रिकी पोंटिंग

पर्थ,20 नवंबर 2024। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले, रिकी पोंटिंग ने विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि कोहली एक महान क्रिकेटर हैं और खेल के प्रति बेहद भावुक हैं। इसी वजह से ऑस्ट्रेलिया में भी उन्हें बहुत सम्मान मिलता है।

पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू पर कहा, कोहली एक स्टार हैं, एक सुपरस्टार हैं। वह काफी समय से खेल के सुपरस्टार रहे हैं। वह जिस तरह से खेलते हैं, उसके प्रति बहुत भावुक हैं। वह अपनी टीम के प्रति भी बहुत भावुक हैं। वह जीतना चाहते हैं और दिल से खेलते

हैं। ऐसे ही सुपरस्टार खिलाड़ी दुनिया भर में उत्साह पैदा करते हैं। स्टीव स्मिथ जब इंग्लैंड जाते हैं तो उन्हें स्टेडियम में आते ही लोग सीटी बजाते हैं। ये सब अंतर्राष्ट्रीय खेलों का हिस्सा है।

हालांकि, इस साल कोहली का टेस्ट मैचों में औसत सिर्फ 22.72 रहा है, जो उनके ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट औसत 54.08 और करियर औसत 47.83 से काफी कम है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया में कई शानदार शतक लगाने के बाद, उम्मीद है कि वह आगामी 5 मैचों की सीरीज में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

विलेन बनते ही पलटी फ्लॉप हीरो की किस्मत

वजन बढ़ने से थे परेशान,अब जिम में बहा रहे पसीना

बॉलीवुड स्टार अर्जुन कपूर बीते दिनों अपनी फिल्म सिंघम अगेन में खलनायकी को लेकर खूब सराहे गए। लंबे समय से बतौर हीरो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो रहे अर्जुन कपूर के विलेन बनते ही उनका करियर पटरी पर आ गया। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अर्जुन कपूर ने बताया था कि बीते कुछ समय से वजन बढ़ने की समस्या को लेकर परेशान हैं। अब इस समस्या से अर्जुन कपूर सीधे-सीधे निपटने के लिए तैयार हो गए हैं। अर्जुन कपूर अब जिम में खूब पसीना भी बहा रहे हैं। अर्जुन ने अपने वर्कआउट सेशन की तस्वीरें भी फैन्स के साथ शेयर की हैं।

अर्जुन कपूर का करियर एक बार फिर से पटरी पर लौट आया है। अपनी फिल्म सिंघम अगेन की बॉक्स ऑफिस सफलता के बाद अर्जुन कपूर काफी खुश भी हैं। बीते कुछ समय से परेशान चल रहे अर्जुन कपूर ने बताया था कि वे वजन बढ़ने की समस्या से परेशान हैं। इसका भी इलाज अर्जुन कपूर ने शुरू कर दिया है। अर्जुन कपूर ने अपने फैन्स के साथ वर्कआउट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए अर्जुन ने लिखा, बुधवार का वर्कआउट खत्म हुआ।

अर्जुन कपूर बॉलीवुड के दिग्गज प्रोड्यूसर बोनी कपूर के बेटे हैं। अर्जुन कपूर ने बॉलीवुड में अब तक 12 साल का सफर तय कर लिया है। 12 साल के करियर में अर्जुन कपूर ने 26 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। अर्जुन कपूर ने साल 2012 में आई फिल्म इश्कजादे से अपने करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में अर्जुन कपूर के साथ परिणीति चोपड़ा लीड रोल में नजर आई थीं। अर्जुन कपूर की पहली ही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। इसके बाद लगातार फिल्में करते रहे। हालांकि बीते कुछ साल से अर्जुन की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हो रही थी। इसी के चलते अर्जुन कपूर ने रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में विलेन का किरदार प्ले किया है। इस किरदार के लिए अर्जुन ने काफी तारीफें भी बटोरी हैं।

प्यार और नफरत की कहानी ठुकरा के मेरा प्यार,वेब सीरीज का ट्रेलर हुआ रिलीज

अब तक कई वेब सीरीज आई हैं, जिनमें अलग-अलग किस्म की प्रेम कहानी दिखाई गईं। जल्द ही एक और प्रेम कहानी जिसमें नफरत भी शामिल है, दर्शकों को देखने को मिलेगी। इस वेब सीरीज का प्रीमियर 22 नवंबर 2024 को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर होगा। ट्रेलर की शुरुआत में छोटे शहर की एक प्रेम कहानी की झलक मिलती है। जिसमें लड़की ही लड़के को पसंद करती हुई नजर आती है और उससे अपने प्यार का इजहार करती है। लड़का सामान्य घर से है, तो वह लड़की के प्रेम प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करता। लड़की उसका पीछा नहीं छोड़ती और बार-बार प्रेम स्वीकार करने को कहती है। अचानक इस प्रेम कहानी की खबर लड़की के घरवालों को लगती है, जो कि शहर के बड़े और ताकतवर लोग हैं। लड़के को लड़की के परिवार वालों के सामने खड़ा किया जाता है, तो लड़की कोई भी रिश्ता होने से इंकार कर देती है और कहती है यही मेरे पीछे पड़ा था। लड़की का इंकार और धोखा लड़के को तोड़ देता है। साथ ही लड़की के घरवाले उसके परिवार और उसे भी नुकसान पहुंचाते हैं। ट्रेलर में कहानी कुछ साल आगे जाती है और लड़का एक ऑफिसर बनकर लौटता है। वह अब लड़की से प्यार में मिले धोखे का बदला लेना चाहता है। ऐसा करता भी है। ट्रेलर में लड़के का एक संवाद है- मेरी खुशियों की राख पर उसने अपना कल बसाया है, अब वो भी देखेगी, उसका कल फिर लौट के आया है। साथ ही इस शो की एक टैगलाइन भी है, जितनी शिद्दत प्यार में थी, उतनी ही नफरत इंतकाम में होगी। इस सीरियल में जो प्रेम कहानी दिखाई गई है उसके मुख्य किरदार संचिता बसु और धवल ठाकुर ने निभाए हैं। साथ ही कपिल कानपुरिया भी अहम भूमिका में हैं। इनके अलावा भी कई सह कलाकार इस वेब सीरीज में नजर आएंगे।

ये काली काली आंखें सीजन 2 ने प्यार की ताकत का पढ़ाया पाठः श्वेता त्रिपाठी

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ये काली काली आंखें सीजन 2 की तैयारी में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म की कहानी ने उन्हें सिखाया है कि प्यार में आपको बदलने की ताकत होती है।इस फिल्म में श्वेता त्रिपाठी, शिखा के रूप में अपनी भूमिका को फिर से निभाने के लिए तैयार है। वह अपने किरदार की यात्रा और भूमिकाओं को लेकर अपनी सोच पर खुलकर बात करती दिखीं।अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा, यह शो वास्तव में सवाल पूछता है, आप प्यार के लिए कितनी दूर तक जा सकते हैं यही वह यात्रा है जिस पर शिखा इस सीजन में खुद को पाती है, और मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो दर्शकों को शो की गहराई के साथ जोड़ेगा। इस सीजन में दर्शकों को मेरे किरदार का एक और कमजोर पक्ष दिखाई देगा।श्वेता ने कहा, शिखा की दुनिया तब बिखर जाती है जब उसका सच्चा प्यार विक्रांत पूर्वा से शादी कर लेता है, जिससे वह खोई हुई और निराश महसूस करती है। स्वभाव से डरपोक उनका किरदार दूसरों को नुकसान पहुंचाने से बचता है। इस सीजन में शिखा का एक नया पक्ष सामने आता है क्योंकि वह विक्रांत के साथ अपने प्यार के लिए लडऩे का फैसला करती है।इस सीजन में श्वेता का किरदार रोमांस से आगे बढ़कर दर्शकों को प्रेम, त्याग और व्यक्तिगत सीमाओं के बारे में प्रेरित करता नजर आएगा।मिर्जापुर स्टार ने बताया कि उन्होंने अपनी पिछली भूमिकाओं में क्रोध और बदले की भावना को दिखाया है, लेकिन इस कहानी ने उन्हें यह दिखाने का मौका दिया गया कि कैसे प्यार आपको बदल सकता है और कभी-कभी आप उसमें पूरी तरह खो भी जाते हैं।सिद्धार्थ सेनगुप्ता द्वारा लिखित और निर्देशित ये काली काली आंखें सीजन 2 में ताहिर राज भसीन, आंचल सिंह और गुरमीत चौधरी भी हैं। यह शो 22 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगा।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना

राजधानी समाचार

अम्बिकापुर, गुरूवार 21 नवम्बर 2024

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

ज्वाइंट डायरेक्टर पर एंटी करप्शन ब्यूरो ने कसा शिकंजा

एक लाख रूपए लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

रायपुर,20 नवम्बर 2024(ए)। इंद्रावती भवन में ज्वाइंट डायरेक्टर रैंक के एक अधिकारी को एसीबी की टीम ने एक लाख रूपए लेते रंगे हाथों पकड़ा है। बता दें कि मछलीपालन विभाग के ज्वाइंट डायरेक्टर देव कुमार सिंह को पैसे लेते एंटी करप्शन ब्यूरो ने इंद्रावती भवन के चौथे मंजिल से गिरफ्तार किया है। एसीबी के लगभग 15 अधिकारियों ने टीम बनाकर यह कार्रवाई की है।

वर्मा की अग्रिम जमानत की याचिका पर सुनवाई पूरी

रायपुर,20 नवम्बर 2024(ए)। नान घोटाले को लेकर हुए एफआईआर के बाद पूर्व महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा की अग्रिम जमानत पर कोर्ट में सुनवाई खत्म हो गई है। एसीबी/ईओडब्ल्यू की विशेष कोर्ट मे यह सुनवाई हुई और कोर्ट ने इस पर फैसला कल तक के लिए सुरक्षित रख लिया है।

आईजी ने टीआई को किया लाइन अटैच

बिलासपुर,20 नवम्बर 2024(ए)। नायब तहसीलदार से मारपीट व दुर्व्यवहार के मामले ने तुल पकड़ लिया है। अब आईजी ने कार्रवाई करते हुए सरकण्डा टीआई को लाइन अटैच कर दिया है। इसके साथ ही एसपी रजनेश सिंह से रिपोर्ट मांगी है।

इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनेगा रायपुर में

- » सीएम की मांग पर केंद्रीय मंत्री ने दी कई सौगातें...
- » रायपुर एयरपोर्ट से सिंगापुर और दुबई के लिए सीधी उड़ान शीघ्र...
- » मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद नागरिक उड्डयन मंत्री ने दी हरी झंडी...
- » राज्य की हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत करने को लेकर हुई चर्चा...
- » बिलासपुर एयरपोर्ट पर शुरू होगी नाइट लैंडिंग की सुविधा...

रायपुर,20 नवम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर समेत कई शहरों में एयर कनेक्टिविटी बढ़ेगी। रायपुर को इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को दिल्ली दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक में राज्य की हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत करने और क्षेत्रीय हवाई अड्डों के विकास के सम्बन्ध में चर्चा की गई। केंद्रीय मंत्री ने रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से जल्द ही अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा शुरू करने पर अपनी सहमति जताई है। इसके साथ ही रायपुर एयरपोर्ट पर कार्गो हब विकसित करने की प्रक्रिया भी जल्द शुरू की जाएगी। रायपुर एयरपोर्ट से पटना और रांची के लिए भी हवाई सेवा शुरू करने की सहमति मिली है।

इन स्थानों के लिए सीधी उड़ान

मुख्यमंत्री ने अंबिकापुर एयरपोर्ट को रायपुर, वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या जैसे प्रमुख शहरों से जोड़ने के लिए नई उड़ानों की शुरुआत की भी मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा क्षेत्र की सांस्कृतिक और खनिज संपदा को देखते हुए नई उड़ान सेवा शुरू करने से लोगों को काफी लाभ होगा, जिस पर भी केन्द्रीय मंत्री ने सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया है। बैठक में मुख्यमंत्री ने जगदलपुर और बिलासपुर एयरपोर्ट्स पर आरसीएस उड़ानों के लिए वित्तीय सहायता को बहाल करने की भी मांग की है।

सीएम की मांग पर केंद्रीय मंत्री ने दी सहमति

मुख्यमंत्री साय ने रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का दर्जा देने की मांग की थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा की बड़ी संभावनाएं हैं। इस कदम से राज्य के आर्थिक विकास को प्रोत्साहन मिलेगा और वैश्विक स्तर पर कनेक्टिविटी बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में अंतरराष्ट्रीय यात्री ट्रैफिक को ध्यान में रखते हुए रायपुर से सिंगापुर और दुबई के लिए सीधी उड़ानों की आवश्यकता पर चर्चा की।सीएम ने बताया कि इन मार्गों पर यात्री ट्रैफिक काफी अच्छा है, जिससे ये सेवाएं व्यावसायिक रूप से लाभकारी साबित होंगी। केंद्रीय उड्डयन मंत्री ने रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से जल्द ही अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा शुरू करने के प्रस्ताव पर अपनी सहमति जताई है। साय ने राज्य में वर्तमान में कोई बड़ा कार्गो सुविधा केंद्र नहीं होने की जानकारी देते हुए रायपुर के एयरपोर्ट को एक केंद्रीय कार्गो हब में विकसित करने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि इससे कृषि और बागवानी उत्पादों के परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। केन्द्रीय मंत्री ने इस प्रस्ताव पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उन्होंने बताया कि इन रूट्स पर कनेक्टिविटी बढ़ाने से क्षेत्रीय विकास में मदद मिलेगी। सीएम साय ने बताया कि जगदलपुर से रायपुर के बीच इंडिगो एयरलाइंस द्वारा संचालित उड़ान सेवा को कम यात्रियों के चलते बंद कर दिया गया था। इसे पुनः सही समय पर शुरू करने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि बस्तर में पर्यटन की अपार संभावनाओं को देखते हुए इस मार्ग पर हवाई कनेक्टिविटी की भारी मांग है। केंद्रीय मंत्री ने अन्य प्रस्तावों पर भी सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया है।

अपग्रेड होगा बिलासपुर एयरपोर्ट

बैठक में बिलासपुर एयरपोर्ट के लिए 3सी आईएफआर कैटेगरी में अपग्रेडेशन का प्रस्ताव भी रखा है। मुख्यमंत्री साय ने इसके लिए रेडियो नेविगेशन सिस्टम डीवीओआर की इंस्टॉलेशन प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करने का अनुरोध किया है। केन्द्रीय मंत्री ने बिलासपुर एयरपोर्ट पर विमानों की नाईट लैंडिंग में आ रही दिक्कतों को देखते हुए इसे तुरंत शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

हाईकोर्ट ने अरपा उद्गम स्थल संरक्षण मामले में नकारा निगम के रिपोर्ट को

बिलासपुर,20 नवम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में अरपा के उद्गम स्थल के संरक्षण को लेकर जनहित याचिका पर सुनवाई चल रही है। हाईकोर्ट ने सुनवाई जस्टिस संजय के अग्रवाल व जस्टिस राधाकृष्ण अग्रवाल की बेंच में हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने नगर निगम की ओर से रिपोर्ट पेश किया गया। जिसमें 100 प्रतिशत पानी को ट्रीटमेंट करके अरपा नदी में पेश करने के बजाए सिर्फ 60 प्रतिशत पानी साफ करने का रिपोर्ट पेश किया। इस पर कोर्ट ने नगर निगम के रिपोर्ट नकार दिया है।अरपा नदी के उद्गम स्थल के संरक्षण को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका पर काफी समय से सुनवाई चल रही है। एक बार फिर से मामले की सुनवाई हाईकोर्ट में हुई। कोर्ट में नगर निगम ने रिपोर्ट पेश किया। रिपोर्ट में बताया गया कि वह सिर्फ 60 प्रतिशत पानी को ही साफ करने में सक्षम है। बाकी के 40 प्रतिशत पानी को बिना ट्रीटमेंट और सफाई के ही छोड़ दिया जाएगा। इसका कोई उपाय भी नहीं है। कोर्ट ने इस दौरान बाकी के पानी के ट्रीटमेंट के विषय में अधिकारियों से जवाब मांगा। इस पर अधिवक्ता कोई जवाब नहीं दे पाए। इस वजह से कोर्ट ने रिपोर्ट को नामंजूर कर दिया। कोर्ट ने बिलासपुर नगर निगम को सुनवाई के दौरान नया रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है। कोर्ट ने कहा है कि नए शपथ पत्र में विस्तृत कार्य योजना की जानकारी अदालत को दी जानी चाहिए। इसके साथ ही कोर्ट ने अरपा नदी के उद्गम स्थल पेंड्रा को संवारने के लिए चल रहे कार्यों को लेकर गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के कलेक्टर को निर्देशित करते हुए कार्य की जानकारी देने के लिए कहा है।

किन्नर हत्याकांड का हुआ पर्दाफाश

मठ पर कब्जा करने की नीयत से सुपारी देकर मुंबई के किन्नर ने कराई हत्या,5 आरोपी गिरफ्तार

भाटापारा,20 नवम्बर 2024(ए)। राजधानी रायपुर के पड़ोसी जिले बलौदा बाजार-भाटापारा में हुए किन्नर हत्याकांड का 48 घंटे के भीतर पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। यहां ढाबाडीह गांव के बंद पड़े पत्थर खदान में किन्नर की लाश मिली थी। इस दौरान डेढ़ लाख रुपए बरामद किये गए थे। पुलिस ने त्वरित जांच के बाद इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मामला किन्नर मठ पर कब्जे की नीयत से सुपारी देकर हत्या का निकला।

राजधानी रायपुर में ईडी की छापेमारी

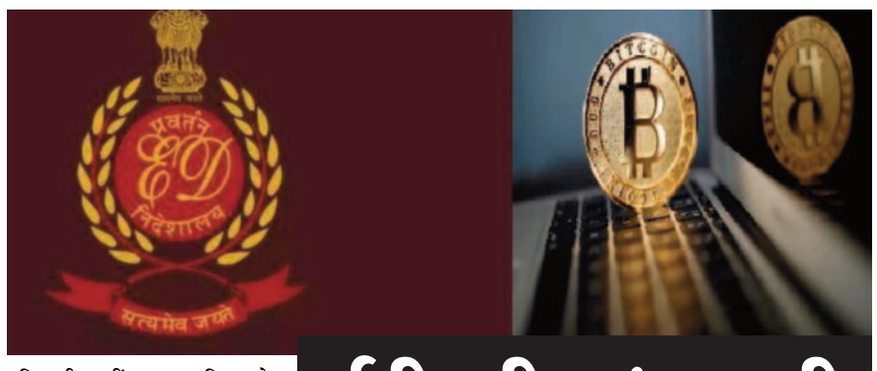

- » बिटकॉइन घोटाले में गौरव मेहता के ठिकानों पर दबिश

रायपुर,20 नवम्बर 2024(ए)। बिटकॉइन घोटाले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को रायपुर में बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर एक्सपर्ट गौरव मेहता के ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई। गौरव मेहता पुणे पुलिस को 6600 करोड़ रुपये के क्रिप्टोकरेंसी घोटाले की जांच में सहयोग कर रहे थे, जिसमें मुख्य आरोपी अमित भारद्वाज था।

गौरव मेहता की भूमिका पर सवाल

जानकारी के मुताबिक, गौरव मेहता के पास बिटकॉइन वॉलेट होने की बात सामने आई है। पूर्व आईपीएस अधिकारी रवींद्रनाथ पाटिल ने दावा किया था कि एनसीपी नेता सुप्रिया सुले और कांग्रेस नेता नाना पटोले ने चुनाव में उपयोग के लिए घोटाले से जुड़े बिटकॉइन नकद की मांग की थी।

सुप्रिया सुले ने आरोपों का खंडन किया

सांसद सुप्रिया सुले ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि उनका इस मामले से कोई संबंध नहीं है और वायरल ऑडियो में जो आवाज बताई जा रही है, वह उनकी नहीं है। उन्होंने भाजपा को चुनौती दी कि वह किसी भी मंच पर इस मुद्दे पर बहस करने को तैयार हैं।

ईडी की जांच जारी

ईडी ने गौरव मेहता के घर से कई दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। भाजपा ने इस मामले को लेकर एनसीपी और कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस घोटाले की जांच में ईडी की कार्रवाई से राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। बिटकॉइन घोटाले की जांच में गौरव मेहता एक अहम कड़ी माने जा रहे हैं।

रायपुर में होगी सीडी कांड की सुनवाई

- » राजेश मूणत ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर साधा निशाना...
- » विकास उपाध्याय ने भाजपा सरकार पर लगाया केस को पेचिदा करने का आरोप

रायपुर,20 नवम्बर 2024 (ए)। कथित सेक्स सीडी कांड में सीबीआई के सुप्रीम कोर्ट में दीगर राज्य में सुनवाई करने के आवेदन को वापस लेने के साथ राज्य में सुनवाई होने का रास्ता खुल गया है. इस पर भाजपा विधायक राजेश मूणत ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर निशाना साधते हुए कहा कि डर के कारण सीबीआई को प्रतिबंधित किया था.

पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने कहा कि भूपेश बघेल ने मुख्यमंत्री बनने के बाद सबसे पहले सीबीआई को प्रतिबंधित किया था. मामले में चालान पेश होने वाला था, उससे पहले प्रतिबंध लगाया गया था. हमने कोर्ट में आवेदन दिया था, जिसके बाद यहां पर सुनवाई होगी वहीं मामले में पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने गोलमोल करके इस पूरे प्रकरण को पेचीदा किया है. आने वाले दिनों में स्थिति स्पष्ट होगी. क्या-क्या कारण हैं, स्पष्ट होगा. किस प्रकार से केस वापस किया गया है, यह भी स्पष्ट हो जाएगा. सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में आवेदन देकर सेक्स सीडी कांड की सुनवाई दीगर राज्य में करने का आवेदन वापस ले लिया था. सीडी कांड 27 अक्टूबर 2017 को उजागर हुआ था. तत्कालीन रमन सिंह सरकार ने मामले की जांच का जिम्मा सीबीआई को सौंप दिया था. इस प्रकरण में चालान पेश हो चुका है, लेकिन आगे की सुनवाई कानूनी अड़चनों के कारण नहीं हो पा रही है.इस मामले में कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष भूपेश बघेल और कांग्रेस नेता विनोद वर्मा को गिरफ्तार भी किया था. मामले में विनोद वर्मा के नोएडा स्थित निवास पर भी छापेमारी की थी. यही नहीं वो करीब तीन महीने जेल में रहने के बाद जमानत पर छूटे थे.

एमिटी यूनिवर्सिटी हॉस्टल में आधी रात बवाल

रायपुर,20 नवम्बर 2024 (ए)। खरोरा स्थित एमिटी विश्वविद्यालय के हॉस्टल में आधी रात को बवाल मच गया, जब चाकू-डंडा लेकर घुसे युवकों ने छात्रों पर हमला कर दिया। घटना की वजह बीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र हर्ष और दूसरे गुट के फैजल खान के बीच विवाद बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, फैजल ने अपने साथियों के साथ हॉस्टल में घुसकर हर्ष और अन्य छात्रों की पिटाई की और कमरों में तोड़फोड़ की। इस घटना का वीडियो वायरल होने के बाद मामला तूल पकड़ गया।

प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप

छात्रों का कहना है कि उन्होंने घटना की सूचना प्रबंधन को दी, लेकिन कार्रवाई में काफी देरी हुई। इस दौरान हॉस्टल में दहशत का माहौल बन गया। घटना के बाद एनएसयूआई और एबीवीपी ने विश्वविद्यालय परिसर में प्रदर्शन किया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)